mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-1 अंक-113 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
25 अक्टूबर 2025 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

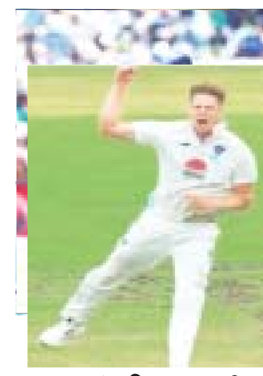

भारत के खिलाफ तीसरे

@ पेज 7

वंश-जाति पर मंदिर पुजारी की नियुक्ति जरूरी नहीं

केरल हाईकार्ट ने कहा- योग्यता और प्रशिक्षण को देखा जाना चाहिए

कोच्चि, एजेंसी। केरल हाईकोर्ट ने गुरुवार को कहा कि मंदिरों में पुजारी की नियुक्ति जाति या वंश के आधार पर नहीं हो सकती। ऐसा करना किसी आवश्यक धार्मिक प्रथा के रूप में नहीं माना जा सकता। यह काम योग्यता और प्रशिक्षण के आधार पर होना चाहिए।

जस्टिस राजा विजयाराघवन वी और जस्टिस के.वी. जयकुमार की बेंच ने कहा... मंदिर में पुजारी की नियुक्ति एक धार्मिक कार्य नहीं, बल्कि सेक्युलर/सिविल प्राधिकारी (ट्रस्टी) द्वारा किया जाने वाला काम है। किसी जाति या वंश के आधार पर नियुक्ति करना संविधान के तहत संवैधानिक सुरक्षा वाला अधिकार नहीं है। कोई भी प्रथा जो मानवाधिकार या सामाजिक समानता के खिलाफ हो, उसे कोर्ट मान्यता नहीं देगा।

कोर्ट का ये कमेंट अखिल केरल थंथ्री समाजम (लगभग 300 पारंपरिक थांत्रि परिवार) की याचिका पर आया। यह संगठन उन परिवारों का प्रतिनिधित्व करता है जो पीढ़ियों से मंदिरों में पूजा करते आए हैं।

संगठन ने थांत्र विद्या पीठों से प्रशिक्षित उम्मीदवारों को पुजारी बनाने की प्रक्रिया को चुनौती दी थी। दलील दी थी कि इससे ब्राह्मण परिवारों का पारंपरिक अधिकार खत्म हो रहा है। नियुक्ति आगम और थांत्रसमुचायम जैसी धार्मिक पुस्तकों के अनुसार होनी चाहिए।

पूजा का अधिकार सिर्फ पारंपरिक थंथ्री परिवारों को ही मिलना चाहिए, लेकिन केरल देवस्वम बोर्ड और देवस्वम भर्ती बोर्ड ने नया नियम बनाया। इसके तहत किसी भी जाति या वंश का व्यक्ति, अगर उसने मान्यता प्राप्त थंथ्रा विद्यालय से पूजा की ट्रेनिंग ली है, तो वह पुजारी बन सकता है। वहीं, थंथ्री समाज इस नियम का विरोध में है। उसका कहना था कि मंदिर में पूजा कौन करेगा, यह धार्मिक मामला है। सरकार या कोई बोर्ड पुजारी की नियुक्ति के मामले में दखल नहीं दे सकता। यह नियम धार्मिक परंपराओं और ग्रंथों के खिलाफ है।

17वां रोजगार मेला- पीएम ने 51 हजार जॉब लेटर बांटें

कहा- यह केवल सरकारी नौकरी नहीं, आपको राष्ट्र सेवा में सक्रिय योगदान देने का मौका मिला है

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम मोदी ने शुक्रवार को 17वें रोजगार मेला में 51 हजार से ज्यादा युवाओं को जॉब लेटर बाटें। इस दौरान उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए युवाओं को संदेश भी दिया। उन्होंने कहा- आपको केवल सरकारी नौकरी नहीं मिली है। राष्ट्र सेवा में सक्रिय योगदान देने का अवसर मिला है।

पीएम ने आगे कहा- इस बार रोशनी का त्योहार दिवाली आप सभी के जीवन में नई रोशनी लेकर आया है। उत्सवों के बीच पक्की नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र मिलना यानी उत्सवों का उल्लास और सफलता की डबल खुशी है। ये खुशी आज देश के 51 हजार से ज्यादा युवाओं को मिली है।

पीएम ने कहा- मैं महसूस कर सकता हूं कि आप सभी के परिवार में कितना आनंद होगा। मैं आप सभी और आपके परिवारजनों को बहुत -बहुत बधाई देता हूं। जीवन की इस नई शुरुआत के लिए मैं बहुत शुभकामनाएं देता हूं। आपका ये उत्साह और परिश्रम करने की आपकी क्षमता सपने साकार होने से पैदा हुआ है।

आत्मविश्वास और इसके साथ जब देश के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा जुड़ेगा तो तो आपकी ये सफलता केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं रहेगी। आपकी सफलता देश की सफलता बन जाएगी। आप जानते हैं हमारे लिए नागरिक देवो भव ये मंत्र है।

अबकी बार मोदी सरकार लिखने वाले पीयूष पांडे नहीं रहे

हमारा बजाज, कुछ खास है जिंदगी में और ठंडा मतलब कोका कोला से मशहूर हुए

नई दिल्ली/मुंबई,एजेंसी। एड गुरु पद्मश्री पीयूष पांडे का गुरुवार को निधन हो गया। जानकारी आज सामने आई है। 70 साल की उम्र में मुंबई में उन्होंने अंतिम सांस ली। पीयूष ने अबकी बार मोदी सरकार नारा लिखा था। इसके अलावा, मिले सुर मेरा तुम्हारा गाना लिखा था। पीयूष पांडे की मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे गंभीर संक्रमण से जूझ रहे थे। अंतिम संस्कार आज मुंबई में किया जाएगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। पीएम ने ङ्ग पर लिखा, पीयूष पांडे क्रिएटिविटी के लिए जाने जाते थे। एडवर्टाइजिंग की दुनिया में उन्होंने शानदार योगदान दिया। मैं उनके साथ हुई बातचीत को सालों तक संजोकर रखूंगा।

दिवाली-छठ में चल रही ट्रेनों की तीन लेवल पर मॉनिटरिंग

ज्यादातर ट्रेनें 3 घंटे से ज्यादा लेट नहीं, दो साल में 50 लाख बढ़े यात्री

नई दिल्ली, एजेंसी। दिवाली और छठ के दौरान चलाई जा रही 12 हजार से अधिके स्पेशल ट्रेनों की तीन स्तर पर मॉनिटरिंग रेलवे कर रहा है। मंडल, जोन और रेलवे बोर्ड से हो रही निगरानी की वजह से इन ट्रेनों की लेटलतीफी तीन घंटे से कम रह गई है। समय पर चलने की वजह से इन ट्रेनों से पिछले साल की तुलना में 50 लाख से ज्यादा लोगों ने सफर किया है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव रोजाना रेलवे बोर्ड में मॉनिटरिंग के लिए पहुंच रहे हैं। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार भी लगातार निगरानी कर रहे हैं। रेल मंत्री ने बताया कि, विशेष ट्रेन रवाना होने के बाद किस मंडल में किस जगह पहुंची है, इसकी लाइव लोकेशन मॉनिटर पर दिखती है। यदि ट्रेन किसी ऐसी जगह पर रुकी है, जहां उसका स्टॉप नहीं है तो तुरंत ही मंडल लेवल तक पूछताछ कर रवाना कराया जा रहा है।

शुरूआती स्टेशन से गंतव्य स्टेशन तक उसकी निगरानी हो रही है। यही वजह है कि विशेष ट्रेन जो पहले 8 से 12 या 18 घंटे तक की देरी से चलती थी उसका औसतन डिले टाइम घटकर तीन घंटे से भी कम हो गया है। अभी तक 10,700 से ज्यादा विशेष ट्रेनों के फैरे हुए हैं, जिनमें सिर्फ एक ट्रेन छह घंटे की देरी से गंतव्य तक पहुंची है।

पटना जंक्शन पर छठ को लेकर पहुंचे यात्री- रेल मंत्री ने बताया कि इस बार भीड़ प्रबंधन पूरी तरह साइंटिफिक है। हर स्टेशन के होल्डिंग एरिया में यात्रियों का हर घंटे के हिसाब से आकलन किया जा रहा है।

देश भर में नवंबर से एसआईआर शुरू होगा 2026 के राज्य चुनावों से पहले पूरी होगी प्रक्रिया

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। निर्वाचन आयोग ने नवंबर से देशभर में मतदाता सूचियों की गहन पुनरीक्षण (SIR) की तैयारी पूरी कर ली है। SIR का कार्यक्रम इस तरह से बनाया जाएगा कि अगले साल मई में चुनाव वाले राज्यों में भी यह काम पूरा हो सके।

मार्च 2026 तक सभी राज्यों में नई मतदाता सूची तैयार करने की योजना है। सभी राज्यों के चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि आधार कार्ड को 12वें दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाएगा।

मतदाता सूची को अपडेट करना मकसद :आयोग का दावा है कि उनका पूरा ध्यान केरल, तमिलनाडु, प. बंगाल, असम और पुडुचेरी पर है, जहां मई 2026 तक चुनाव होने हैं। SIR का उद्देश्य मतदाता सूचियों में दोहरे मतदाताओं को हटाना और यह सुनिश्चित करना है कि मतदाता भारतीय नागरिक है। ऐसी समीक्षा 2 दशक बाद हो रही है, क्योंकि शहरीकरण और माइग्रेशन बढ़ने से इसकी जरूरत महसूस हुई। यहां हालात ऐसे आंध्र प्रदेश में 2003-2004 5.5 करोड़ मतदाता थे, अब 6.6 करोड़ हैं। उत्तर प्रदेश में 2003 में 11.5 करोड़ थे, अब 15.9 करोड़ हैं। दिल्ली में 2008 में 1.1 करोड़ थे, अब 1.5 करोड़ हैं। बैठक में तय हुआ कि बीएलओ हर मतदाता के घर जाकर प्री फील्ड फॉर्म पहुंचाएंगे। इस प्रक्रिया में 31 दिसंबर तक 18 वर्ष के हर मतदाता को शामिल माना जाएगा। देशभर में 99 करोड़ 10 लाख मतदाता हैं।

तेजस्वी यादव का तंज- फैक्ट्री गुजरात में, जीत चाहिए बिहार में

कहा- जब लालूजी मोदी से नहीं डरते तो या उनका बेटा डरेगा

पटना, एजेंसी। महागठबंधन का सीएम फेस बनने के बाद तेजस्वी यादव ने शुक्रवार से चुनाव प्रचार की शुरुआत कर दी। पटना से रवाना होने से पहले मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, अगर जनता उन्हें मुख्यमंत्री बनाती है, तो बिहार के लोग चिंता मुक्त हो जाएंगे। हमारी राजनीति झूठ नहीं, भरोसे की राजनीति है।

सहरसा में एक रैली में तेजस्वी ने कहा कि गुजरात के दो लोग बिहार को चलाने की कोशिश कर रहे हैं। मोदीजी गुजरात में फैक्ट्री लगाएंगे, बिहार में जीत चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं होने वाला है। हम बिहारी हैं, हम बाहरियों से नहीं डरते। अगर लालूजी मोदी से नहीं डरते, तो क्या उनका बेटा डरेगा

इधर, बिहार चुनाव 2025 के लिए पीएम मोदी आज से चुनाव प्रचार शुरू कर रहे हैं, शुक्रवार उन्होंने पीएम मोदी सबसे पहले समस्तीपुर में जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद दोपहर 2 बजे बेगूसराय जाएंगे। दूधपूरा में पीएम मोदी का करीब 45 मिनट का कार्यक्रम है।

तेजस्वी का भ्रष्टाचार मुक्त सरकार का वादा सरासर झूठ-चुग

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग ने शुक्रवार को कहा कि राजद नेता तेजस्वी यादव के परिवार के पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए, बिहार की जनता विधानसभा चुनावों में उन पर भरोसा नहीं करेगी। एएनआई से बात करते हुए, चुग ने कहा, उनके परिवार का भ्रष्टाचार, जंगल राज और नौकरियों के बदले जमीन हड़पने का इतिहास रहा है। बिहार ऐसे भ्रष्ट लोगों को अपने नेता के रूप में कभी स्वीकार नहीं करेगा। तेजस्वी का भ्रष्टाचार मुक्त सरकार का वादा उनके परिवार के पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए सरासर झूठ है।

नीतीश बोले- बिहार में 2005 से विकास के काम हो रहे हैं

नीतीश कुमार ने समस्तीपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा- पीएम मोदी बिहार के लिए बहुत काम कर रहे हैं। इसलिए अब जान लीजिए कि बिहार बहुत आगे बढ़ेगा। 2005 से जब बिहार में एनडीए की सरकार बनी तब से बिहार का विकास हो रहा है। हाल ही में महिलाओं के लिए हमने नई योजना शुरू की है। जिसमें रोजगार के लिए 10 हजार रुपए दिए जा रहे हैं। अबतक 21 लाख महिलाओं को पैसे मिले हैं।

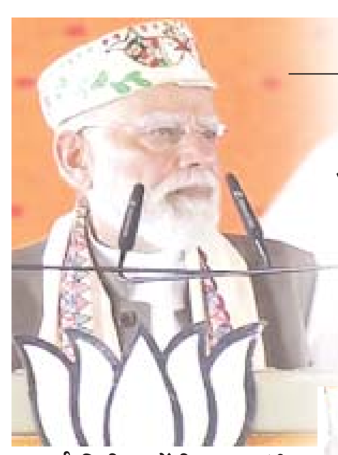

पीएम मोदी समस्तीपुर में बोले

अब लालटेन की जरूरत नहीं है जंगलराज को दूर रखेगा बिहार

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार विधानसभा चुनावों के प्रचार अभियान की शुरुआत शुक्रवार को समस्तीपुर से की। शुक्रवार सुबह पीएम मोदी ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारत रत्न से सम्मानित समाजवादी नेता कर्पूरी ठाकुर को उनके पैतृक गांव कर्पूरी ग्राम (समस्तीपुर) में श्रद्धांजलि दी। इसके बाद पीएम मोदी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए विपक्ष पर जमकर निशाना साधा।

पीएम मोदी ने कहा कि त्योहारों के दौरान इतनी बड़ी तादात में आपका आना हम सब के लिए एक बहुत बड़ी शक्ति है। मैं आप सबका नमन करता हूं। इस समय आप जीएसटी बचत उत्सव का भी खूब आनंद ले रहे हैं। कल से छठी मैय्या के महापर्व का भी शुभारंभ होने जा रहा है। इस बार आपके मूड ने यह पक्का कर दिया है कि नई रफ्तार से चलेगा बिहार, फिर जब आएगी एनडीए सरकार।

एनडीए सरकार जननायक कर्पूरी ठाकुर को प्रेरणापुंज मानती है : पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ने जननायक कर्पूरी ठाकुर को प्रेरणापुंज मानती है। हमलोग गरीबों की सेवा में लगे हैं। आप बताइए गरीबों को पक्का घर, मुफ्त अनाज, मुफ्त इलाज, शौचालय, नल का जल और सम्मान का जीवन जीने के लिए हर तरह की सुविधा देना क्या उनकी सेवा नहीं है एनडीए सरकार कर्पूरी ठाकुर की विचारधार को सुशासन का आधार बनाया है। हमने गरीब, दलित, पिछड़े और अति पिछड़ों के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने लालू परिवार हमला बोला

पीएम मोदी ने लालू परिवार पर जमकर हमला बोला। कहा कि इन्होंने क्या किया है यह मुझे आपको बताने की जरूरत नहीं है। यह लोग हजारों करोड़ के घोटाले के मामले में जमानत पर चल रहे हैं। इन्होंने तो जननायक की उपाधि भी चोरी कर ली है। लेकिन, बिहार के लोग इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। इन लोगों ने बिहार के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। पीएम मोदी ने कहा कि एनडीए सरकार विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

पीएम मोदी ने कहा- राजद वाले 10 साल तक बदला लेते रहे

पीएम मोदी ने एनडीए के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि एनडीए का मतलब सुशासन, जनता की सेवा और विकास है। आपका उत्साह देखकर लगता है कि बिहार इस बार एनडीए को अब तक का सबसे बड़ा जनादेश देगा। 2005 का अक्टूबर महीना ही था, जब बिहार ने जंगलराज से मुक्ति पाई थी। नीतीश कुमार ने नेतृत्व में एनडीए का सुशासन शुरू हुआ था। लेकिन, 10 साल तक कांग्रेस और राजद की सरकार रही। यूपीए सरकार ने बिहार को नुकसान पहुंचाने में कोई कमी नहीं रखी।

आंध्र प्रदेश में चलती बस में आग, 20 जिंदा जले

बाइक टकराकर बस के यूल टैंक में फंसी, इससे आग लगी; 40 यात्री सवार थे

कुर्नूल, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के कुर्नूल में चिन्नाटेकुर के पास एक प्राइवेट बस में आग लग गई। न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक हादसे में 20 यात्री जिंदा जल गए। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह आंकड़ा 25 है। घटना शुक्रवार सुबह लगभग 3:30 बजे हुई। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

बस हैदराबाद से बेंगलुरु जा रही थी। NH-44 पर बाइक में टक्कर हुई। बाइक बस के नीचे घुस गई और फ्यूल टैंक से टकरा गई। इससे बस में तुरंत आग लग गई। हादसे में बाइक सवार शिवशंकर की भी मौत हो गई।

बस में लगभग 40 यात्री सवार थे। इनमें से कई जल गए। 19 ने कूदकर जान बचाई। इमरजेंसी गेट तोड़कर निकले लोग बुरी तरह झुलस गए थे, इन्हें कुर्नूल सरकारी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। पुलिस का कहना है कई शव पूरी तरह जल चुके हैं, जिससे उनकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है।

आग लगी, शॉर्ट सर्किट हुआ और दरवाजा नहीं खुला : कुर्नूल रेंज के DIG कोया प्रवीण ने न्यूज एजेंसी PTI को बताया कि बस में सवार 2 बच्चों समेत 21 यात्री बाल-बाल बच गए। ड्राइवर-क्लीनर की कोई जानकारी नहीं मिली है। ज्यादातर लोग 25 से 35 साल के थे। हादसे के वक्त यात्री सो रहे थे, जिससे उन्हें बचने का मौका नहीं मिला। आग लगने के बाद बस में शॉर्ट सर्किट हुआ। इससे बस का दरवाजा भी जाम हो गया।

कलेक्टर ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर्स : हादसे के बाद कुर्नूल कलेक्टर डॉ. ए सिरी घटनास्थल पर पहुंचीं, उन्होंने बताया कि हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। इनमें कलेक्ट्रेट कंट्रोल रूम 08518-277305, सरकारी अस्पताल कुर्नूल 9121101059, स्पॉट कंट्रोल रूम 9121101061, कुर्नूल पुलिस कंट्रोल रूम 9121101075, जीजीएच हेल्प डेस्क के 9494609814, 9052951010 नंबरों पर जानकारी ले सकते हैं।

पीएम मोदी ने ङ्ग पर लिखा- कुर्नूल का हादसा दुखद है। मेरी संवेदनाएं मृतकों के परिवार के साथ है। पीएमओ ने मृतकों के परिवार के लिए 2 लाख और घायलों को 50 हजार दिए जाने का ऐलान किया है।

क्लाउड सीडिंग दिल्ली के लिए जरूरी, सीएम रेखा बोलीं जानें कृत्रिम बारिश पर क्या बोले पर्यावरण मंत्री

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को छावला स्थित बीएसएफ कैंप में पानी की पाइपलाइन परियोजना का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने सुरक्षाबलों के साथ भाई दूज का पर्व मना। साथ ही क्लाउड सीडिंग को लेकर जानकारी भी दी। 1982 से कनेक्शन से वंचित बीएसएफ कैंप में पाइप लाइन का काम शुरू हुआ है।

क्लाउड सीडिंग दिल्ली के लिए आवश्यक

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि क्लाउड सीडिंग दिल्ली के लिए एक आवश्यकता है और यह अपनी तरह का पहला प्रयोग है। हम इसे दिल्ली में आजमाना चाहते हैं ताकि यह देखा जा सके कि क्या यह इस गंभीर पर्यावरणीय समस्या को नियंत्रित करने में हमारी मदद कर सकता है। इसलिए दिल्ली के लोगों का आशीर्वाद सरकार के साथ है, और हमें लगता है कि यह एक सफल प्रयोग होगा और भविष्य में, हम इन पर्यावरणीय समस्याओं पर काबू पा सकेंगे।

सीएम ने अर्धसैनिकों के साथ मनाया भाई दूज

जवानों के साथ भाई दूज मनाने पर सीएम ने कहा कि ये कैंप 1982 में स्थापित किया गया था। तब से यहां पानी की पाइपलाइन नहीं पहुंची है। मैंने अपने भाइयों से वादा किया था कि हम जल्द ही यहां पानी की पाइपलाइन लाएंगे। मुझे खुशी है कि इस भाई दूज पर मैं पानी की पाइपलाइन चालू करने का काम शुरू कर पाई। मैं अपने सभी भाइयों से वादा करती हूं कि अगर आप मुझे कोई भी काम सौंपेंगे, तो हमारी **सरकार उसे जल्द से जल्द पूरा करेगी।**

रात में भी काम कर सकेंगी दिल्ली की महिलाएं

सीएम ने आगे कहा कि मुझे यह सोचकर हैरानी होती है कि महिलाओं को रात 9 बजे से सुबह 7 बजे तक काम करने का अधिकार क्यों नहीं दिया गया था। हमने इसे निरस्त कर दिया है। अब महिलाएं अपनी सुविधानुसार कभी भी काम कर सकती हैं।

सीएम ने लिया छठ की तैयारियों का जायजा

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने छठ पूजा की तैयारियों का निरीक्षण भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में लगभग 1500 जगहों पर छठ घाट बनाए गए हैं। यमुना किनारे 17 जगहों पर छठ घाटों की व्यवस्था की गई है। सरकार छठ की तैयारियों में कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

अब हमें बारिश का इंतजार

वहीं दूसरी तरफ दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने क्लाउड सीडिंग का एक बड़ा प्रयोग सफलतापूर्वक किया है। कल एक सेसना विमान ने दिल्ली के बुराड़ी में छोटे बादलों पर क्लाउड सीडिंग की। अब हम 29 तारीख के आसपास क्लाउड सीडिंग के जरिए बारिश होने का इंतजार कर रहे हैं। पूरी तैयारी कर ली गई है ताकि जैसे ही बादल आएं, उन्हें सीडिंग करके बारिश कराई जा सके।

तेज हवाओं से उड़े प्रदूषक तत्व लेकिन राहत नहीं, सोमवार तक बेहद खराब श्रेणी में रहेगी हवा

दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में दिवाली के बाद प्रदूषण से परेशान लोगों को बृहस्पतिवार को चली तेज हवा से कुछ राहत मिली। हालांकि यह राहत अस्थायी मानी जा रही है। राजधानी की हवा में प्रदूषण की मात्रा अब भी सामान्य से तीन गुना अधिक है और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शाम चार बजे 305 दर्ज किया गया। यह हवा की बेहद खराब स्थिति है। ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई 280, गाजियाबाद में 252, गुरुग्राम में 208 और नोएडा में 276 दर्ज किया गया। दिल्ली-एनसीआर में सबसे साफ हवा फरीदाबाद की रही। यहां एक्यूआई 198 दर्ज किया गया, यह हवा की मध्यम श्रेणी है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) का पूर्वानुमान है कि सोमवार तक हवा बेहद खराब श्रेणी में बनी रहेगी। इसके चलते सांस के मरीजों को दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। लोगों को आंखों में जलन जैसी समस्या भी हो सकती है। बृहस्पतिवार को अनुमानित अधिकतम मिश्रण गहराई 2650 मीटर रही। वेंटिलेशन इंडेक्स 14500 मीटर प्रति वर्ग सेकंड रहा। सीपीसीबी के अनुसार, बीते 24 घंटे में हवा की गति में इजाफा हुआ है। ऐसे में बृहस्पतिवार को हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 10-15 किलोमीटर प्रति घंटा रही।

मानकों के मुताबिक दिल्ली की हवा में पीएम 10 का स्तर 100 और पीएम 2.5 का स्तर 60 से कम होने पर ही उसे स्वास्थ्यकारी माना जाता है। बृहस्पतिवार शाम चार बजे दिल्ली की हवा में पीएम 10 का स्तर 249 और पीएम 2.5 का स्तर 150.9 पर रहा। प्रदूषक कणों का स्तर मानकों से लगभग तीन गुना ज्यादा बना हुआ है। प्रदूषण और नमी के चलते दिल्ली के वायुमंडल में धुंध और धुएं की परत छाई हुई है। दिल्ली के पालम इलाके में सुबह के समय हल्का कोहरा देखने को मिला। सुबह आठ बजे के लगभग कोहरे और धुंध के चलते दृश्यता का स्तर गिरकर 800 मीटर तक पहुंच गया।

दिल्ली में चार स्कूलों को बम की धमकी के ईमेल, जांच में निकले फर्जी

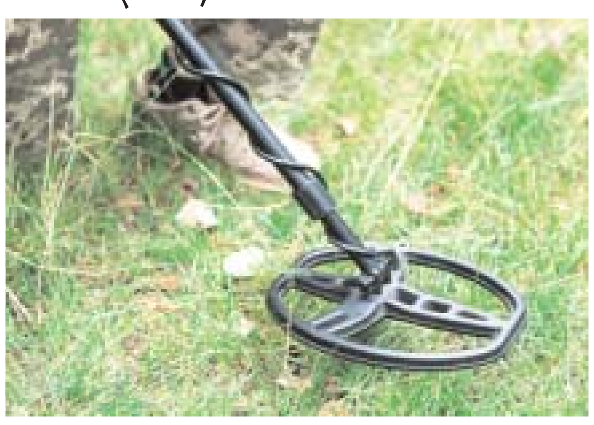

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में शुक्रवार सुबह फिर से चार स्कूलों को बम की धमकी भरे ईमेल मिले। इसके बाद प्रशासन ने तुरंत स्कूल खाली करवाए और पूरी जांच की। दिल्ली फायर सर्विस के अधिकारी ने बताया कि अलग-अलग चार स्कूलों को बम की धमकी भरे ईमेल भेजे गए थे, जो जांच में झूठे साबित हुए। अग्निशमन विभाग के अनुसार, द्वारका सीआरपीएफ स्कूल में बम की धमकी के संबंध में पहली कॉल सुबह 8.15 बजे आई, इसके बाद 8.20 बजे नांगलोई स्थित संत दर्शन पब्लिक स्कूल से एक और कॉल आई।

दिल्ली में बैठकर अपनी कंपनी चला रहे थे कॉन्ट्रैक्ट किलर, वर्चुअल नंबर से मांगते थे रंगदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहिणी इलाके में मुठभेड़ में ढेर बदमाश रंजन पाठक, मनीष पाठक, अमन ठाकुर और बिमलेश महतो दिल्ली में बैठकर सिग्मा एण्ड कंपनी चला रहे थे। इस गिरोह को गैंग नहीं कंपनी बोला जाता था। ये बिहार के सीतामढ़ी जिले के बदमाशों का गिरोह है।

ये दिल्ली से बिहार में फोन कर रंगदारी मांगते थे। रंगदारी नहीं देने और इनका बताया हुआ काम नहीं होने पर ये बिहार जाकर हत्या की वारदात को अंजाम देते। इसके बाद ये दिल्ली लौट आते थे। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ये बिहार में ज्यादातर व्यवसायी, कारोबारी और नेताओं से रंगदारी मांगते थे। इन्हें धमकी देकर काम करवाते थे। गिरोह का सरगना रंजन पाठक पैसे लेकर सुपारी किलिंग करने के लिए बिहार में प्रसिद्ध था।

अमन और मनीष मूलरूप से बिहार के रहने वाले थे। अमन नांगलोई और मनीष करावल नगर में रहते थे। इन दोनों ने रंजन पाठक और बिमलेश महतो को दिल्ली में शरण दे रखी थी। दोनों के पास रहकर ये अपना गिरोह चला रहे थे। अपराध शाखा के संयुक्त पुलिस आयुक्त सुरेंद्र सिंह ने बताया कि वचुर्अल नंबर से फोन करने पर लोकेशन दूसरे देशों की आती हैं। यही वजह थी कि पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ रहे थे। इस सिग्मा एण्ड कंपनी ने पिछले तीन महीने में सुपारी लेकर पांच हत्याओं और दो रंगदारी की घटनाओं को अंजाम दिया था। इनके नाम से जिले में दहशत का माहौल था। पुलिस को वीडियो मिली बिहार पुलिस का कहना है कि बदमाशों के कब्जे से मिले

फोन में एक ऑडियो क्लिप मिली है जिसमें गिरोह सरगना रंजन पाठक चुनाव से पहले आपराधिक घटनाओं से अशांति फैलाने की बात कर रहा है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि ये किसी राजनेता की हत्या की साजिश रच रहे थे। वारदात के बाद गैंगस्टरों की तरह लेते थे जिम्मेदारी विदेश में बैठे लारेंस बिश्नोई, गोल्डी बरार, रोहित गोदारा, हिमांशु भाऊ आदि गैंगस्टर भारत में कोई वारदात कर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर वारदात की जिम्मेदारी लेते थे

शातिर ठग को द्वारका पुलिस ने गोवा से गिरफ्तार किया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के द्वारका जिले की साइबर सेल थाना पुलिस ने एक शातिर ठग को गिरफ्तार किया है। आरोपित ने लिंक्डइन और अन्य प्रोफेशनल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर दिल्ली की एक महिला और उसके परिवार से करीब 1.10 करोड़ की धोखाधड़ी की थी। पुलिस ने आरोपित को गोवा से पकड़ा है।

द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने शुक्रवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपित की पहचान कुनाल सतीश हेलकर (24) के रूप में हुई है। वह महाराष्ट्र का रहने वाला है और खुद को बड़ी कंपनी का सीईओ बताकर लोगों को झांसे में लेता था। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि शिकायतकर्ता दीक्षा कनोजिया ने पुलिस को बताया कि आरोपित ने उनसे 20 फरवरी 2024 को लिंक्डइन पर संपर्क किया और विजया डिजिटल कॉरपोरेशन नाम की अपनी कथित कंपनी में डिजिटल एसोसिएट न्यूज एडिटर की नौकरी का प्रस्ताव दिया, जिसमें 45,000 वेतन का वादा किया गया था।

धीरे-धीरे आरोपित ने पीड़िता और उसके परिवार का भरोसा जीत लिया। उसने फर्जी कंपनियों के नाम से नकली वेबसाइट और ईमेल बनाए और खुद को यूनेस्को इंडिया से जुड़ा बताने लगा। इसके बाद उसने झूठे ऑफर लेटर, फर्जी दस्तावेज और नकली रसीदें दिखाकर परिवार से विभिन्न बहानों जैसे गैजेट खरीद, डीडीए फ्लैट अलॉटमेंट, इंटर्नशिप फीस और निवेश योजनाओं के नाम पर मोटी रकम वसूल ली।ठगी का पता चलने पर पीड़िता ने मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मुकदमा दर्ज किया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार जांच में सामने आया कि आरोपित ने न केवल फर्जी पहचान बनाकर ठगी की, बल्कि पीड़िता के परिवार पर लगातार निगरानी भी रखी। वह रोजाना फोन और वीडियो कॉल करता था और यहां तक कि परिवार के घर में सीसीटीवी कैमरे भी लगवा दिए थे ताकि उन पर नजर रख सके।

साइबर थाना द्वारका की टीम ने तकनीकी जांच के दौरान आरोपित के मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी, बैंक खातों और डिजिटल ट्रेल का विश्लेषण किया। डिजिटल निगरानी से पता चला कि वह गोवा में छिपा हुआ है। सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने गोवा में छापा मारकर आरोपित को दबोचा। पुलिस ने आरोपित के पास से दो मोबाइल फोन, फर्जी कंपनी के दस्तावेज, नकली नियुक्ति पत्र, डीडीए अलॉटमेंट ईमेल, रसीदें और झूठे नाम से जारी चेक बरामद किए।

अमेरिका में अलास्का के जंगलों में होगा उत्खनन तेल और गैस निकालने का दिया जाएगा पट्टा

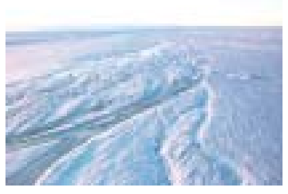

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने अलास्का के आर्कटिक राष्ट्रीय वन्यजीव अभयारण्य में उत्खनन का रास्ता साफ कर दिया। प्रशासन को यहां मौजूद तेल और गैस के भंडार से बड़ा राजस्व मिलने की उम्मीद है। प्रशासन ने गुरुवार को अपनी योजना को सार्वजनिक किया। आर्कटिक राष्ट्रीय वन्यजीव अभयारण्य संयुक्त राज्य अमेरिका के सबसे बड़े बचे हुए प्राचीन वन्य क्षेत्रों में से एक है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, यह अभयारण्य लगभग 15.6 लाख एकड़ में फैला हुआ है। माना जाता है कि यहां अरबों बैरल तेल का भंडार है। यह अभयारण्य ध्रुवीय भालू, कारिबू, प्रवासी पक्षियों और अन्य वन्यजीवों के लिए एक महत्वपूर्ण आवास भी है। अपने पहले कार्यकाल के दौरान भी राष्ट्रपति ट्रंप ने इस अभयारण्य के संदर्भ में कर विधेयक पर हस्ताक्षर किए थे। इसके बाद पट्टे दिए गए। बाद में बाइडेन प्रशासन ने उन पट्टों को रद्द कर दिया।

आंतरिक विभाग के सचिव डग बर्गम ने गुरुवार को मुख्यालय में आयोजित अलास्का दिवस के कार्यक्रम में प्रशासन के फैसले की जानकारी दी। उन्होने कहा कि इस सर्दी में तटीय मैदान में तेल और गैस पट्टों की बिक्री की जाएगी। अभयारण्य में बाइडेन के कार्यकाल के समय 2021 में रद्द किए गए सात तेल पट्टों को बहाल किया जाएगा। बर्गम ने यह भी घोषणा की कि आंतरिक विभाग ने एक समझौते को अंतिम रूप दे दिया है। इससे दक्षिण-पश्चिमी अलास्का में इजेम्बेक राष्ट्रीय वन्यजीव अभयारण्य से होकर एक सड़क का निर्माण संभव होगा। उन्होंने दोहराया कि एजेंसी एक औद्योगिक सड़क को हरी झंडी देगी जो उत्तरी अलास्का में प्रस्तावित तांबे और जस्ता खदान तक पहुंचने के लिए प्राचीन जंगलों को पार करेगी।

सनद रहे राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकी तेल और गैस उत्पादन का विस्तार करने का बार-बार वादा किया है। प्रशासन की ताजा योजना को इसी वादे का हिस्सा माना जा रहा है। प्रमुख तेल कंपनियों ने पहले इस अभयारण्य में ड्रिलिंग में बहुत कम रुचि दिखाई है। अभी भी यह स्पष्ट नहीं है कि वे आगामी नीलामी में बोली लगाएंगी या नहीं। कुछ प्रमुख बैंकों ने भी यहां खनन के लिए धन मुहैया नहीं कराने का इरादा जताया है। पर्यावरण समूहों ने योजना के खिलाफ मुकदमा दायर करने का फैसला किया है। अलास्का के रिपब्लिकन सीनेटर डैन सुलिवन ने गृह विभाग के एक कार्यक्रम में कहा, बाइडेन प्रशासन ने पक्षियों की जिंदगी को लोगों की जिंदगी से ज्यादा अहमियत दी है। यह आज खत्म हो रहा है।

अलास्का वाइल्डरनेस लीग की कार्यकारी निदेशक क्रिस्टन मिलर ने एक ई-मेल में लिखा, हम आर्कटिक शरणस्थल के नाजुक तटीय मैदान के औद्योगीकरण के किसी भी प्रयास का विरोध करेंगे और हर विकल्प मौजूद है। इस सुदूर जगह खनन किया जाए या नहीं, इस सवाल ने लगभग आधी सदी से भीषण राजनीतिक और कानूनी लड़ाइयों को हवा दी है।

1980 में तत्कालीन राष्ट्रपति जिमी कार्टर ने अलास्का राष्ट्रीय हित भूमि संरक्षण अधिनियम पर हस्ताक्षर किए थे। इसके बाद अधिकांश हिस्से को निर्जन क्षेत्र घोषित कर दिया और वहां ड्रिलिंग पर प्रभावी रूप से प्रतिबंध लगा दिया। लेकिन कांग्रेस के रिपब्लिकन सदस्यों ने इस प्रतिबंध को समाप्त करने के लिए संघर्ष किया और उन्हें 2017 में एक रास्ता दिखाई दिया, जब उन्होंने एक कर विधेयक पारित किया, जिसके तहत 2024 के अंत तक तटीय मैदान में दो पट्टों की बिक्री अनिवार्य कर दी गई।

अमेरिका अब कनाडा से व्यापार वार्ता नहीं करेगा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ को लेकर कनाडा में एक नकारात्मक टीवी विज्ञापन पर सख्त एतराज जताते हुए कनाडा के साथ अब कोई व्यापार वार्ता नहीं करने की घोषणा की है। एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने अपने सोशल ट्रुथ पर पोस्ट किया, अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के लिए टैरिफ बेहद महत्वपूर्ण हैं। उनके घृणित व्यवहार के आधार पर कनाडा के साथ सभी व्यापार वार्ताएं समाप्त की जाती हैं। यह विज्ञापन अभियान इस महीने की शुरुआत में कनाडा के ओंटारियो प्रांत से शुरू किया गया।

इस विज्ञापन में तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के 1987 के एक भाषण के अंशों का ऑडियो शामिल है, जो उन्होंने जापानी उत्पादों पर कुछ शुल्क लगाते समय दिया था, लेकिन उच्च टैरिफ के दीर्घकालिक आर्थिक जोखिमों और व्यापार युद्ध के खतरे के बारे में आगाह भी किया था। रोनाल्ड रीगन प्रेसिडेंशियल फाउंडेशन एंड इंस्टीट्यूट ने गुरुवार शाम सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा कि कनाडाई विज्ञापन अभियान में रीगन के चुनिंदा ऑडियो और वीडियो का इस्तेमाल किया गया है और उनके भाषण में कही गई बातों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है। कनाडाई विज्ञापन अभियान का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा, उन्होंने ऐसा सिर्फ अमेरिकी उच्चतम न्यायालय और अन्य अदालतों के फैसलों में दखल देने के लिए किया।

छठ की तैयारी नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एक स्थायी होल्डिंग एरिया बनाया गया, यात्रियों के लिए कई व्यवस्थाएं

दिल्ली, एजेंसी। उत्तर रेलवे ने दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों, विशेषकर देश के पूर्वी भागों में छठ पर्व मनाने के लिए जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था की है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एक स्थायी होल्डिंग एरिया बनाया गया है। इसके अतिरिक्त, नई दिल्ली और आनंद विहार टर्मिनल रेलवे स्टेशनों पर अस्थायी होल्डिंग एरिया (टेंटेज) स्थापित किए गए हैं। इन होल्डिंग एरिया में यूटीएस टिकट काउंटर, शौचालय, एटीवीएम, खानपान स्टॉल, सहायता करने के लिए बूथ, पीए सिस्टम आदि की व्यवस्था है। यह नहीं, रेलवे कर्मचारी यात्रियों का मार्गदर्शन और सहायता कर रहे हैं।

रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर प्राथमिक चिकित्सा बूथ स्थापित किए गए हैं। नई दिल्ली (यात्री सुविधा केंद्र सहित चार बूथ), पुरानी दिल्ली, आनंद विहार टर्मिनल, हजरत निजामुद्दीन, शकूरबस्ती और गाजियाबाद इनमें से प्रत्येक स्टेशन पर चौबीसों घंटे सहायता प्रदान करने के लिए एम्बुलेंस और प्रशिक्षित चिकित्सा दल मौजूद हैं। इन सुविधाओं ने प्राथमिक उपचार से लेकर आपातकालीन स्थिति 18 अक्तूबर को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शिशु के सुरक्षित प्रसव सहित तक समय पर चिकित्सा सहायता प्रदान की है, जिससे 16 और 21 अक्तूबर के बीच 634 से अधिक रेल यात्रियों को लाभ हुआ है।

अधिकारी के अनुसार, दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर नागरिक सुरक्षा कर्मी और उत्तर रेलवे भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के कर्मी सहित अधिकारियों की तैनाती की गयी है। वे यात्रियों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों और महिलाओं आदि का निरंतर मार्गदर्शन और सहायता कर रहे हैं।

अमेरिका में क्रिप्टो एक्सचेंज के संस्थापक चांगपेंग झाओ को क्षमादान, ट्रंप ने दस्तावेज पर किए हस्ताक्षर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने संवैधानिक अधिकारों का प्रयोग करते हुए क्रिप्टो एक्सचेंज के संस्थापक चांगपेंग झाओ को क्षमा कर दिया। उन्होंने इस आशय के दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर झाओ को बड़ी राहत प्रदान की। यह जानकारी व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने दी।

एनबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बयान में कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को झाओ को क्षमा करते हुए क्षमादान संबंधी दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर दिए। लेविट ने कहा, राष्ट्रपति ने इसके लिए अपने संवैधानिक अधिकार का प्रयोग किया। झाओ पर बाइडेन प्रशासन ने क्रिप्टो करेंसी के खिलाफ अपने अभियान में मुकदमा चलाया था। उन्होंने कहा, बाइडेन प्रशासन ने क्रिप्टो करेंसी उद्योग को दंडित करने की अपनी जिद के कारण किसी भी साक्ष्य के बिना झाओ पर मुकदमा चलाया। बताया गया है कि उस समय झाओ को चार महीने जेल की सजा सुनाई गई। उन्होंने न्याय विभाग के साथ एक समझौता किया। उन्हें बिनांस में मनी लॉन्ड्रिंग को बढ़ावा देने का दोषी ठहराया गया था। संयुक्त राज्य अमेरिका ने बिनांस को 4 अरब डॉलर से ज्यादा का जुर्माना भरने भी आदेश दिया, जबकि झाओ 5 करोड़ डॉलर का जुर्माना भरने पर सहमत हुए।

ट्रंप से क्षमादान मिलने के कारण झाओ को बिनांस में सीधा

नियंत्रण फिर से हासिल हो गया है। झाओ ने एक्स पर लिखा, क्षमादान, निष्पक्षता, नवाचार और न्याय के प्रति अमेरिका की प्रतिबद्धता को बनाए रखने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप का मैं बहुत आभारी हूं। अब हम अमेरिका को क्रिप्टो की राजधानी बनाने और दुनिया भर में वेब3 को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। लीविट ने कहा, बाइडेन प्रशासन के इन कदमों ने प्रौद्योगिकी और नवाचार में वैश्विक नेता के रूप में संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रतिष्ठा को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया है। क्रिप्टो पर बाइडेन प्रशासन का युद्ध समाप्त हो गया है। बिनांस दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टो एक्सचेंजों में से एक है। इसकी वेबसाइट पर बताया गया है कि यह औसतन प्रतिदिन 65 बिलियन डॉलर से अधिक का लेनदेन करता है। बिनांस के एक प्रवक्ता ने बयान में कहा, हम राष्ट्रपति ट्रंप को उनके नेतृत्व और अमेरिका को दुनिया की क्रिप्टो राजधानी बनाने की उनकी प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद देते हैं। कंपनी ने कहा कि झाओ की परिकल्पना ने न केवल बिनांस को दुनिया का सबसे बड़ा क्रिप्टो एक्सचेंज बनाया, बल्कि व्यापक क्रिप्टो आंदोलन को भी आकार दिया। ट्रंप ने गुरुवार को रियलिटी स्टार टॉड और जूली क्रिसली, इलिनोइस के पूर्व गवर्नर रॉड ब्लागोजेविच, हिप-हॉप स्टार लिल वेन और हाल ही में पूर्व प्रतिनिधि जॉर्ज सैंटोस, आर-एनवाई को माफ कर दिया है।

सीएनबीसी के अनुसार, मार्च में ट्रंप ने क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज बिटमेक्स के तीन सह संस्थापकों को भी माफ कर दिया था। ट्रंप ने 2024 के चुनाव में क्रिप्टो उद्योग के साथ न्याय करने का वादा किया था। उनके परिवार से जुड़े एक क्रिप्टो उद्यम ने पिछले एक साल में कई क्रिप्टो उत्पाद लॉन्च किए । मई में ट्रंप ने अपने मीम कॉइन के शीर्ष खरीदारों के लिए एक रात्रिभोज का आयोजन किया। रात्रिभोज में एकत्रित भीड़ ने ट्रंप मीम कॉइन खरीदने में लगभग 150 मिलियन डॉलर खर्च किए। द वॉल स्ट्रीट जर्नल के अनुसार, बिनांस के वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल के साथ घनिष्ठ संबंध हैं।

लिबर्टी ने ट्रंप परिवार के कई क्रिप्टो प्रोजेक्ट्स का प्रबंधन किया है और परिवार के लिए 4 बिलियन डॉलर से अधिक की कमाई की है। जर्नल ने यह भी बताया कि वर्ल्ड लिबर्टी का प्रमुख क्रिप्टो कॉइन एक क्रिप्टो एक्सचेंज पर चलता है। इसका बिनांस गुपचुप प्रबंधन करता है। एक सार्वजनिक दस्तावेज के अनुसार, बिनांस ने सितंबर में चार्ल्स मैकडॉवेल नामक एक नए लॉबिस्ट को भी नियुक्त किया।

फटे पाइप से ऑक्सीजन सप्लाई, युवक की मौत

परिजन का आरोप- नर्सों ने गलत इंजेक्शन लगाया; शव सड़क पर रखकर प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान 25 वर्षीय अजय साकेत की मौत हो गई। परिजन का आरोप है कि अजय को ऑक्सीजन सप्लाई करने वाला पाइप फटा था। साथ ही उसे गलत इंजेक्शन भी लगाया गया। उनका कहना है कि अजय गुरुवार रात करीब 9 बजे बुखार के इलाज के लिए खुद बाइक चलाकर अस्पताल पहुंचा था, लेकिन एडमिट होने के पांच घंटे के भीतर ही उसकी जान चली गई। गुस्साए परिजन ने शव को अस्पताल में मॉर्चुरी के सामने सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। प्रदर्शन में शिवसेना कार्यकर्ता और आम नागरिक भी शामिल हुए। अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

इंजेक्शन से होंठ और चेहरा सूखने लगा था: मृतक के भाई दीपक साकेत ने बताया कि भाई कल घर से खाना खाने के बाद खुद बाइक से जिला अस्पताल पहुंचा और डॉक्टर को दिखाया। डॉ. अमित सिंह ने केवल प्रिस्क्रिप्शन लिखा और वहां से चले गए। इसके बाद नर्सों ने मिलकर इंजेक्शन लगाए। उसके बाद से ही मेरे भाई का होंठ और चेहरा सूखने लगा। फिर उसे दूसरी मंजिल में ले गए और ऑक्सीजन लगाया, लेकिन ऑक्सीजन की पाइप फटी थी, जो लीकेज कर रहा था। जिसकी वजह से भाई जान चली गई। उसे दो-तीन दिन से बुखार था। इसलिए इलाज कराने गया था। हमने जब इस लापरवाही की शिकायत की, तो अस्पताल प्रशासन की ओर से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला।

दो दिन पहले बना था पिता: सीधी के मुठिगमा गांव का रहने वाला अजय शिवसेना कार्यकर्ता था। परिवार में दो दिन पहले ही खुशियां आई थीं, जब बंजारी अस्पताल में अजय की पत्नी ने बेटे को जन्म दिया था। दंपती का बड़ा बेटा दो साल का है।

सीएमएचओ ने नहीं दिया जवाब: जब सीएमएचओ डॉ. बबीता खरे से इस बारे में बात की गई, तो उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि मामले की जांच की जा रही है। लेकिन डॉक्टर की अनुपस्थिति या ऑक्सीजन पाइप की खराबी पर कोई जवाब नहीं दिया।

शिवसेना ने दी आंदोलन की चेतावनी: शिवसेना के प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पांडे ने इस घटना को जिला अस्पताल की निष्ठुरता का जिंदा सबूत बताया। उन्होंने कहा, जिम्मेदार डॉक्टर की अनुपस्थिति, फटे ऑक्सीजन पाइप और गलत इंजेक्शन ने एक परिवार को उजाड़ दिया। यदि दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो शिवसेना सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करेगी।

डब्बा तो लगा दिया लेकिन ऑक्सीजन बाहर निकल रही थी: शिवसेना के प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पांडे ने कहा कि गरीब और निम्न स्तर के लोगों के लिए जिला अस्पताल में कोई उपचार नहीं है। यहां केवल भ्रष्टाचार फैला हुआ है। वह अपने से चलकर जिला अस्पताल में आया, लेकिन उसे पेरासिटामोल और अन्य चार इंजेक्शन उसे लगा दिए गए। ओवरडोज इंजेक्शन के लगाने के बाद उसे अंदर से घबराहट महसूस हुई और फिर उसे ऑक्सीजन वाले रूम में ले गए। डॉक्टरों की टीम ने ऑक्सीजन का डब्बा तो लगा दिया, लेकिन ऑक्सीजन बाहर निकल रही थी। वह पूरी तरह से खराब था।

गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के कार्यक्रम को लेकर आयोजित हुई प्रेसवार्ता

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, गल्ला मंडी में सिख-पंजाबी एवं सर्व समाज की संगत ने 26 अक्टूबर 2025 को श्री गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले सजीव प्रदर्शन कार्यक्रम को उत्साहपूर्वक मनाने के लिए विचार गोष्ठी की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य गुरु जी की मानवता एवं धर्म की रक्षा के लिए दिए गए बलिदान को जनमानस तक पहुँचाना है।

गुरु तेग बहादुर हिन्द दी चादर के रूप में जाने जाते हैं। उनका जन्म 1 अप्रैल 1621 को अमृतसर में हुआ। उन्होंने अपने तपस्वी स्वभाव के कारण त्याग मल के नाम से भी पहचान बनाई। धार्मिक दर्शन और युद्ध कौशल में प्रशिक्षित गुरु जी ने युद्ध में अपनी वीरता के लिए तेग बहादुर की उपाधि अर्जित की। 30 मार्च 1664 को 8वें गुरु हरकृष्ण के ज्योति जोत के बाद वे 9वें सिख गुरु बने। 1665 में आनंदपुर साहिब की स्थापना की और गुरु ग्रंथ साहिब में 15 राग में 116 शबद-शलोक/भजन का योगदान दिया।

गुरु जी ने धर्म प्रचार यात्रा के दौरान पंजाब, प्रयागराज, वाराणसी, गया, पटना, बंगाल, और असम में उपदेश दिया कि ईश्वर, प्रभु, खुदा एक है और हर प्राणी में विद्यमान है। उन्होंने मानवता और भाईचारे का संदेश दिया। जब औरंगजेब के शासनकाल में 500 कश्मीरी पंडितों ने गुरु जी से धर्म की रक्षा की गुहार लगाई, तो उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि हर व्यक्ति को अपने धर्म अनुसार पूजा करने का मौलिक अधिकार है।

11 नवंबर 1675 को गुरु जी को दिल्ली के चांदनी चौक में शहीद कर दिया गया, जहाँ आज गुरुद्वारा सीसगंज साहिब स्थित है। गुरु तेग बहादुर साहिब जी ने मानवाधिकार, धर्मनिरपेक्षता और समानता के अधिकारों की रक्षा के लिए अपनी शहादत दी, जो सर्व समाज के लिए प्रेरणादायक है। इस दौरान गुरुद्वारा सिंह सभा कमेटी के सेवादार परमजीत सिंह दुग्गल, निर्मल सिंह, हरभगवान सिंह, मंजीत सिंह, कुलजीत सिंह, सतनाम सिंह, बंसी साहू, मनीष चाँदवानी, राजन वर्मा, राजकिशोर तिवारी, अमरीश पटेल सहित कई पत्रकार मौजूद रहे।

अल्पविराम कार्यशाला का आयोजन - आनंदित जीवन के सूत्र साझा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राज्य आनंद संस्थान एवं जन अभियान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में जनपद पंचायत सिहावल के सभागार में शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय अल्पविराम कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सिहावल रश्मि पांडेय ने कहा कि राज्य शासन का उद्देश्य है कि अधिकारी और कर्मचारी स्वयं आनंदित रहें और अपने व्यवहार से आमजन को भी सहजता का अनुभव कराएं। यह तभी संभव है जब हम अपने कार्यक्षेत्र में ईमानदारी और निष्ठा से कार्य करें।

कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक एवं आनंद विभाग के मास्टर ट्रेनर शिवदत्त उरमालिया ने आनंद विभाग की गतिविधियों का परिचय देते हुए जीवन का लेखा-जोखा सत्र लिया। उन्होंने बताया कि जीवन में आनंद बढ़ाने के लिए जो प्राप्त है वही पर्याप्त है का भाव अपनाना आवश्यक है, जिससे हम सहज रूप से संतुष्ट रह सकते हैं। डॉ. संजय श्रीवास्तव, मास्टर ट्रेनर द्वारा आनंद की ओर एवं प्रभाव और चिंता का दायरा विषय पर सत्र लिया गया। उन्होंने कहा कि हमारा ध्यान जिस दिशा में जाता है, हमारी ऊर्जा भी उसी दिशा में प्रवाहित होती है, इसलिए हमें सकारात्मक सोच और आत्म-चिंतन पर केंद्रित रहना चाहिए।

कार्यशाला के अंत में प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र वितरित किए गए और फीडबैक लिया गया। साथ ही आनंद विभाग की आगामी गतिविधियों एवं उससे जुड़ने के माध्यमों की जानकारी भी दी गई।

6 माह में ढही 13 लाख की पुलिया, मजदूरों का आरोप- सीमेंट और सरिया का पर्याप्त इस्तेमाल नहीं किया गया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले की चूल्ही ग्राम पंचायत में भ्रष्टाचार का बड़ा मामला सामने आया है। यहां लगभग 13 लाख रुपए की लागत से बनी एक पुलिया मात्र छह महीने में ही ढह गई। पहली बरसात में ही पुलिया के बह जाने से सरकारी धन की बर्बादी हुई है और ग्रामीणों के आवागमन में बाधा उत्पन्न हुई है। ग्रामीणों ने शुक्रवार को जनपद पंचायत सीईओ से इसकी शिकायत की।

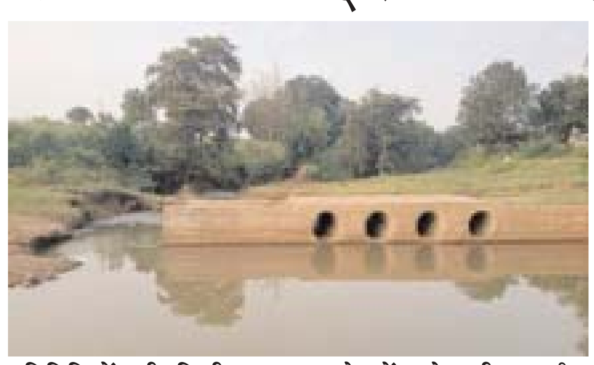

ग्रामीणों का आरोप है कि यह पुलिया हाल ही में बनी थी, लेकिन बरसात शुरू होते ही यह ढह गई। उनके अनुसार, निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया और मानकों की खुलेआम अनदेखी की गई, जो इसके ढहने का मुख्य कारण है।

अधिकारी और पंचायत प्रतिनिधियों की मिलीभगत: पुलिया निर्माण में लगे मजदूरों ने बताया कि काम केवल डस्ट और बड़े पत्थरों से चलाया गया था, जबकि सीमेंट और सरिया का सही उपयोग नहीं किया गया। मजदूरों ने यह भी आरोप लगाया कि अधिकारी और पंचायत प्रतिनिधियों की मिलीभगत से यह काम केवल दिखावे के लिए किया गया था।

400 परिवारों को आने-जाने में परेशानी: ग्रामीण मनोज कोल ने बताया, पुलिया में सरिया डाली ही नहीं गई थी, केवल गिट्टी, बालू और सीमेंट से काम चला दिया गया। पुल टूटने से अब लगभग 400 घरों के लोगों को नदी पार कर आवागमन करना पड़ रहा है, जिससे उनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं।

मजदूरों को आजतक मजदूरी नहीं दी गई: पूर्व जनपद पंचायत उपाध्यक्ष प्रभात वर्मा ने बताया है की स्कूल में कार्य करने वाले मजदूरों को आज तक मजदूरी भी नहीं दी गई है, जिसके बाद उन्होंने इसकी शिकायत सीएम हेल्पलाइन में भी की, लेकिन आज तक उनका निराकरण नहीं हुआ। इस संबंध में सरपंच सुनीता रावत ने दावा किया कि अधिक बरसात होने के कारण पुल टूट गई है, हमने गुणवत्ता में कोई कमी नहीं रखी थी। हालांकि, ग्रामीण इस दावे को सिरे से खारिज कर रहे हैं।

वहीं, जनपद पंचायत सीईओ चंदूलाल ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में आया है और इसकी जांच की जाएगी। ग्रामीणों का कहना है कि पहले भी कई बार शिकायतें करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

स्कूल जाते समय शिक्षक को रिश्तेदारों ने पीटा, हाथ फ्रैक्चर; सिर-सीने पर गंभीर चोटें

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जमोड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत सुकवारी गांव में शुक्रवार दोपहर एक युवा शिक्षक पर जानलेवा हमला हुआ। स्कूल जा रहे शिक्षक देवेंद्र कुमार यादव (28) उर्फ अतीत गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें प्राथमिक इलाज के बाद सीधी जिला अस्पताल से रीवा के संजय गांधी अस्पताल रेफर किया गया है।

पीड़ित बोला-रिश्तेदारों ने मारा है: घायल शिक्षक के पिता छोटेलाल यादव ने बताया कि उन्हें दोपहर करीब 1 बजे गांव की प्रियंका पनिका ने सूचना दी कि उनका बेटा बेहोशी की हालत में जमीन पर पड़ा है। सूचना मिलने पर वे ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंचे और अतीत को तुरंत अस्पताल ले गए।

छोटेलाल यादव ने बताया कि अतीत कुछ देर के लिए होश में आए और केवल इतना कह पाए कि रिश्तेदारों ने मारा है, जिसके बाद वे फिर से अचेत हो गए।

सिर-सीने पर गंभीर चोटें, हाथ फ्रैक्चर: डॉ. अमित सिंह ने बताया कि घायल युवक के सिर और सीने पर गंभीर चोटें आई हैं, साथ ही उनका एक हाथ भी फ्रैक्चर हो गया है। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए रीवा रेफर किया गया है। पुलिसकर्मी आशीष सिंह ने जानकारी दी कि उन्हें घायल युवक के अस्पताल में भर्ती होने की सूचना मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घायल के होश में आने के बाद घटना के कारणों और इसमें शामिल लोगों के बारे में पूरी जानकारी ली जाएगी।

पुलिस ने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने वाले आरोपी को किया गया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मनगवां थाना प्रभारी निरीक्षक गजेन्द्र सिंह धाकड़ एवं उनके हमराह पुलिस स्टाफ ने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने के आशय से वीडियो बनाकर वायरल करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है।

फरियादी रवि यादव, पिता अभिमन्यु प्रसाद यादव, उम्र 26 वर्ष, निवासी मढी थाना मनगवां, जिला रीवा, मध्य प्रदेश ने अपने साथियों के साथ उपस्थित होकर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि आरोपी गणेश साकेत, पिता रघुनाथ साकेत, उम्र 55 वर्ष, ग्राम कठेरी थाना मनगवां के द्वारा वायरल वीडियो में श्रीराम भगवान के प्रति अशब्द भाषा का प्रयोग करते हुए हिंदू धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाई गई है।

इस रिपोर्ट पर थाना मनगवां में अपराध क्रमांक 546/25 धारा 196(1), 299 बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। पुलिस ने एक टीम गठित की और फरार आरोपी गणेश साकेत को गिरफ्तार किया।

इस कार्रवाई में मुख्य भूमिका में निरीक्षक गजेन्द्र सिंह धाकड़, सउनि. धीरेन्द्र सिंह, प्रआर. 984 जय सिंह, प्रआर. 713 आशीष सिंह, प्रआर. 49 अवधेश तिवारी, प्रआर. 559 बलराम पासी, और आर. 994 अजय सिंह का सराहनीय योगदान रहा।

संजय टाइगर रिजर्व टीम पर हमला, एसडीओ की गाड़ी पर पत्थरबाजी; अवैध रेत खनन रोकने गई थी टीम, चार गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के जमोड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत भेलकी गांव में गुरुवार देर रात रेत माफिया ने संजय टाइगर रिजर्व की टीम पर हमला कर दिया। अवैध रेत परिवहन की सूचना पर गश्त कर रही वन विभाग की टीम को निशाना बनाते हुए हमलावरों ने एसडीओ प्रमोद सिंह की सरकारी गाड़ी पर जमकर पत्थरबाजी की, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया।

हमले में टीम के कुछ सदस्यों को चोट: यह घटना उस वक्त हुई, जब संजय टाइगर रिजर्व की टीम जंगल क्षेत्र में अवैध रेत खनन और परिवहन की सूचना पर गश्त कर रही थी। अंधेरे का फायदा उठाकर रेत माफिया ने अचानक टीम पर हमला कर दिया। हमले की गंभीरता इतनी अधिक थी कि एसडीओ की सरकारी गाड़ी पत्थरबाजी के कारण अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी, जिससे वाहन को भारी नुकसान पहुंचा है। इस हमले में टीम के कुछ सदस्यों को भी चोटें आई हैं। हालांकि, घायलों की संख्या की स्पष्ट जानकारी अभी नहीं मिली है।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम नहीं बताए: संजय टाइगर रिजर्व के डीएफओ, राजेश कन्ना टी ने बताया कि अवैध खनन को छिपाने की कोशिश में यह हमला किया गया है। उन्होंने जमोड़ी थाना में घटना की शिकायत दर्ज कराई है।

नगर निगम अध्यक्ष बोले- सड़कों की मरम्मत होगी, पार्षदों से कहा- अपने अपने वार्डों की जरूरतें; जिससे काम हो सके

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। नगर पालिका निगम परिषद की बैठक 24 अक्टूबर को आयोजित की गई। इसमें एक राष्ट्र एक चुनाव, आत्मनिर्भर भारत संकल्प और जीएसटी सुधार सहित कई प्रस्तावों पर चर्चा के बाद उन्हें सर्वसम्मति से पारित किया गया। एक राष्ट्र एक चुनाव के प्रस्ताव पर चर्चा करते हुए बताया गया कि लोकसभा, विधानसभा और नगरीय निकायों के चुनाव एक साथ कराने से बार-बार लगने वाली आचार संहिता से बर्बाद होने वाले समय का सदुपयोग किया जा सकेगा।

हर घर स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने में नगर निगम के योगदान पर भी चर्चा हुई। निर्णय लिया गया कि नगरीय क्षेत्र के छोटे व्यापारियों, स्व सहायता समूह के सदस्यों और अन्य छोटे व्यवसायियों को आसानी से ऋण उपलब्ध कराया जाए। इसके अतिरिक्त, केंद्र सरकार की जीएसटी में दी गई छूट का लाभ प्रत्येक नागरिक तक पहुंचे, इसके लिए व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार कराने का भी निर्णय लिया गया। ये तीनों प्रस्ताव परिषद में सर्वसम्मति से पारित किए गए।

विधायक रामनिवास शाह ने बताया कि मुख्यमंत्री ने सिंगरौली जिला अस्पताल सह ट्रामा सेंटर की क्षमता 200 बिस्तर से बढ़ाकर 400 बिस्तर करने का फैसला लिया है। इस घोषणा पर विधायक शाह ने मुख्यमंत्री का आभार जताया और जिले के सभी लोगों को बधाई दी। नगर निगम की परिषद बैठक में भी सभी पार्षदों ने मेज थपथपाकर मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

सड़क मरम्मत पर तुरंत ध्यान देने के निर्देश: परिषद की बैठक में पार्षदों ने यह मुद्दा उठाया कि वार्डों में गैस पाइपलाइन और सीवरेज का काम चलते समय सड़कें खराब हो रही हैं। इस पर नगर निगम अध्यक्ष ने आयुक्त को तुरंत निर्देश दिया। अध्यक्ष ने कहा कि काम करने वाली कंपनियों के साथ बैठक करके उन्हें यह निर्देश दिया जाए कि वे क्षतिग्रस्त सड़कों को तत्काल ठीक कराएं ताकि नागरिकों को कोई परेशानी न हो।

पार्षद अपने-अपने वार्डों की जरूरतें बताएं: नगर निगम अध्यक्ष ने कहा कि हमारा मुख्य लक्ष्य शहर के लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ देना और विकास कार्यों को समय पर पूरा करना होना चाहिए। उन्होंने सभी पार्षदों से अपने-अपने वार्डों के विकास के लिए तत्परता से काम करने और जरूरी जरूरतों को बताने का आग्रह किया। बैठक के दौरान पार्षदों ने भी नगर विकास के लिए अपने सुझाव दिए। इसके बाद, नगर निगम अध्यक्ष ने परिषद को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने की घोषणा की।

कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा, जिला- रीवा (म.प्र.)

//निविदा सूचना //

क्रमांक 844/ई-टेंडर/स्व.भा.मि./न.पा.नि./2025 रीवा, दिनांक 24.10.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक एवं जारी दिनांक तथा NIT क्रमांक/ दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	
1.	2025_UAD_444615_2 [SECOND CALL] 816/01.09.2025	नगर पालिक निगम रीवा क्षेत्रांतर्गत 14 स्थानों पर डिजाइन, बिल्ड, फाइनेंस, ऑपरेट एवं ट्रांसफर (DBFOT) आधार पर विज्ञान के अधिकारों के विरुद्ध स्मार्ट पब्लिक टॉयलेट का निर्माण कार्य 20 वर्षीय लाइसेंस अवधि+5 वर्ष की आपसी सहमति के आधार पर किए जाने बावत। स्थल विवरण निम्नानुसार है:- (1) धोबिया टंकी बस स्टेण्ड के पास, (2) रेलवे फ्लाई ओवर के नीचे, (3) समान फ्लाई ओवर के नीचे शिल्पी कुंज टर्निंग के पास, (4) अटल पार्क के पास, (5) न्यू बस स्टैण्ड के पास, (6) शिल्पी प्लाजा बी-ब्लाक के सामने, (7) अस्पताल चौराहा के पास, (8) मार्तंड स्कूल कलेक्ट्रेट के पास, (9) कॉलेज चौराहा सेल्फी प्वाइंट के पास, (10) अमरा कोठी फूल मंडी के पास, (11) स्वागत भवन परिसर के पास, (12) पी.टी.एस. चौराहा के पास, (13) दीनदयाल कॉलोनी के सामने, (14) सिरमौर चौराहा फ्लाई ओवर के नीचे। (नोट: स्थल उपलब्धता के आधार पर निर्माण कार्य के दौरान सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन/स्वीकृति से स्थल परिवर्तन किया जा सकता है)	निर्माण अवधि 06 माह (संचालन -संधारण अवधि 20 वर्ष)	₹12,500.00 ₹1,00,000.00	6 10.11.2025 18:00 बजे तक।

नोट: - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री स्वच्छ भारत मिशन
नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

जोखिम भरा टेक ऑफ

संपादकीय

पैराग्लाइडिंग की दो उड़ानें जान के पीछे पड़ गई, नतीजतन एक घायल और दूसरी महिला मौत के पंजे में चली गई। उड़ानें लंबी थीं या हवाओं का रुख कातिल था, जो एक साथ दो दुर्घटनाओं ने हिमाचल की पर्वत श्रृंखलाओं की भौगोलिक परिस्थिति को अबूझ पहेली बना दिया। दोनों टेक ऑफ बीड़-बिलिंग के रोमांच में रास्ता भटक गए। एक महिला पायलट मनाली की ओर तो दूसरी धर्मशाला की ओर ऐसी राह पर निकलीं कि सफर त्रियूंड में गुम हो गया, जबकि दूसरी सोलंग गांव की पहाड़ियों में घायल हो गई। मनाली में घायल पायलट का इलाज चल रहा है, जबकि कनाडा निवासी का रेस्क्यू आपरेशन सिर्फ अंतिम संस्कार के बाहुपाश में पहुंच गया। इसमें दो राय नहीं कि हिमाचल की पहाड़ियों में रोमांच को पंख लगाती पैराग्लाइडिंग अब कौशल और जुनून की उड़ान बन चुकी है, लेकिन हर साल हवाओं में खेल का सुरक्षित पहलू नजरअंदाज हो रहा है। अब तक पैराग्लाइडिंग के आकाश से दर्जन से ऊपर मौत का शिकार हो चुके हैं, तो इस तथ्य की बानगी में कुछ तो शर्तें और पैमाने बदलने होंगे। किसी भी सोलो उड़ान से पहले बीड़-बिलिंग की आकाशीय जानकारी से बाकिफ होना होगा। इसके लिए उड़ान की तैयारी में एक चैक लिस्ट जरूरी हो जाती है, जहां पायलटों को किसी भी बड़े अभियान की शुरुआत से पूर्व विभिन्न स्तरों की स्वीकृतियां प्राप्त करके वातावरण, भौगोलिक परिस्थितियों, मौसम तथा हवाई गंतव्यों की मैपिंग कर लेनी चाहिए। अभी पैराग्लाइडिंग रेस्क्यू की कोई स्थायी परिपाटी नहीं बनी है और न ही सरकार के पास बचाव अभियानों के लिए विशेष हेलिकाप्टर, प्रशिक्षित स्टॉफ तथा दिशा निर्देशन की कोई व्यवस्था बनी है। जब कभी कोई घातक वारदात होती है, तो टेक ऑफ के नेट शांत कर दिए जाते हैं।विडंबना यह भी है कि पैराग्लाइडिंग की जिम्मेदारी ओढ़े पर्यटन विभाग का सारा ढांचा प्रशासनिक है, जबकि ऐसी साहसिक खेलों के संचालन में पर्वतारोहण संस्थान की भागीदारी आवश्यक है।

हम बीड़ में पैराग्लाइडिंग संस्थान बनाते-बनाते कहीं भटक गए हैं। हमारे लिए हर बार नए राजनीतिक लक्ष्य बढ़ जाते हैं, जबकि बीड़-बिलिंग का रोमांच ऐसी अनेक वारदातों का असहाय अध्याय बन जाता है। आश्चर्य यह कि किसी दोपहरी कुछ हवाओं के अनुमान पर विदेशी पायलट लट्टू हो जाते हैं, जबकि उनकी उड़ानें तयशुदा नहीं होतीं। उड़ान की अनुमति ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उड़ान की गति और उसके लिए एक निर्धारित ऐसा मानचित्र भी जरूरी है, जो अपनी कसौटी, सुरक्षा बंदोबस्त और बचाव के तंत्र से पूरी तरह लैस हो। आश्चर्य यह भी है कि जिस तीव्रता से पैराग्लाइडिंग गतिविधियों के आंचल में सियासी प्रतियोगिता शुरू हो गई है, वहां पहचानी गई नई ढलानों को बिना किसी इंतजाम के खोल देना खतरे से खाली नहीं।

बिहार चुनाव: जहां सियासत का हर ओवर रोमांचक

दिलीप कुमार पाठक

बिहार चुनाव बेहद रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया है, जैसे क्रिकेट का मैच अत्यधिक रोमांचक हो जाता है। बिहार में फ़िलहाल कोई भी राजनीतिक विश्लेषक खुलकर बोलने की स्थिति में नहीं है, अभी कुछ विशेषज्ञों ने अपने दावों में नीतीश कुमार को चुका बता दिया था, तो आज वही कह रहे हैं कि नीतीश कुमार ने बता दिया है कि टाइगर अभी जिंदा है। एनडीए में दरअसल सीट बँटवारे के बाद कयास लगाए जा रहे थे कि भाजपा अब एनडीए में जेडीयू को पीछे छोड़कर बड़े भाई की भूमिका में आ चुकी है, परंतु नीतीश कुमार ने अचानक से चुनाव का रुख ही बदल दिया है। जेडीयू ने कहा है कि हमारा गठबंधन भाजपा से है, चिराग पासवान एवं जीतनराम माँझी से नहीं है। चुनाव से पहले एनडीए एवं महागठबंधन के अंदर खींचतान मची है। चुनावी मुकाबले से पहले दोनों ही गठबंधन में शामिल पार्टियां अपनी-अपनी सहयोगियों से लड़ रही हैं। इस झगड़े की जड सीटों का बंटवारा है, महागठबंधन में भी सीटों का बंटवारा हो गया है, वहीं ह्ष्ठ में सीटों का बंटवारा तो हो गया है, लेकिन रह-रहकर उपेंद्र कुशवाहा से लेकर नीतीश कुमार अपनी नाराजगी दिखा रहे हैं। कुशवाहा का मुंह कम सीटें मिलने से नाराज़ हैं, तो जीतन राम माँझी रश्मिरथी की चौपई ट्वीट करके 15 सीटें मांग रहे थे। वहीँ नीतीश कुमार तारापुर सीट को लेकर नाराज बताए जा रहे हैं, वे नहीं चाहते थे कि बीजेपी सम्राट चौधरी को तारापुर से टिकट दे हालांकि नीतीश कुमार की नाराजगी को नजरअंदाज करते हुए बीजेपी ने सम्राट को तारापुर से मैदान में उतार दिया है, मंगलवार को ये ऐलान होने के कुछ देर बाद ही नीतीश ने उन सीटों पर उम्मीदवार उतारे दिए जो चिराग पासवान की एलजेपी को मिली थीं। एनडीए की सीट बंटवारे बाद उम्मीदवारों के नाम का ऐलान शुरू हो गया है। भाजपा के अलावा कोई भी अपनी मजबूत सीटें किसी भी सूरत में छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। नीतीश कुमार ने अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर एनडीए के सीट शेयरिंग के समझौते का फॉर्मूला बिगाड़ दिया है। जेडीयू और बीजेपी में बराबर-बराबर 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ने का फॉर्मूला तय हुआ था। इसके अलावा बाकी 41 सीटें सहयोगी दलों में बांट दी गई थीं, जिसमें चिराग पासवान की एलजेपी (आर) को 29 सीटें, उपेंद्र कुशवाहा की आरएलएम और जीतनराम मांझी की हिंदुस्तान आवाम मोर्चा को छह-छह सीटें मिली हैं।

एनडीए के सीट शेयरिंग के बाद से उपेंद्र कुशवाहा, जीतनराम मांझी नाराज हैं और अब नीतीश कुमार ने जिस तरह चिराग पासवान को मिली पांच सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं, उससे साफ लग रहा है कि एनडीए में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा! जेडीयू ने बुधवार को जिन 57 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है, उसमें पांच सीटें ऐसी हैं जो चिराग पासवान के हिस्से आई थीं। एलजेपी को कुल 29 सीटें मिली हैं, इसमें मोरवा, गायघाट, राजगीर, सोनबरसा और एकमा भी थी, जिस पर जेडीयू ने अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं। राजगीर सीट पर मौजूदा विधायक कौशल किशोर और सोनबरसा के विधायक व मंत्री रत्नेश सदा को जेडीयू ने प्रत्याशी बनाया है। जेडीयू ने एकमा सीट पर पूर्व विधायक धूमल सिंह को प्रत्याशी बनाया है। मोरवा सीट पर विद्यासागर निषाद और गायघाट सीट से कोमल सिंह को जेडीयू ने टिकट दिया है। सीट बंटवारे में ये पांचों सीटें चिराग पासवान के खाते में गई थीं, जिस पर नीतीश कुमार ने अपने प्रत्याशी उतारकर साफ कर दिया है कि वो किसी भी सूरत में अपनी मजबूत सीटें नहीं छोड़ेंगे। हालांकि नीतीश कुमार चिराग पासवान से 2020 चुनाव का बदला ले रहे हैं, चूंकि चिराग पासवान ने भी नीतीश कुमार के साथ यही किया था। जीतन राम मांझी ने भी ऐलान किया है कि वे चिराग पासवान को मिली मखदुमपुर सीट पर अपना प्रत्याशी उतारेंगे। इस तरह से एनडीए में अब खुल्लम खुल्ला लड़ाई शुरू हो गई है। चिराग पासवान ने जिन 29 सीटों पर चुनाव लड़ने का अभी तक प्लान बनाया है, उनमें से कई सीटें ऐसी हैं, जिन पर जेडीयू और बीजेपी का कब्ज़ा है। बीजेपी भले ही अपनी जीती सीटें छोड़ रही हो, लेकिन जेडीयू अपनी जीती हुई सीटें एलजेपी के लिए छोड़ने को तैयार नहीं है।

सेहत पर भारी पड़ती रहन-सहन खानपान की बदलती प्राथमिकताएं

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अनाज का स्थान जंक फूड ले चुका है। ग्रामीण क्षेत्र में जंक फूड का उपयोग जहां 10 प्रतिशत हो गया है वहीं, अनाज उपयोग 5.4 प्रतिशत रह गया है। इसी तरह से शहरी क्षेत्र में जंक फूड की हिस्सेदारी 11 प्रतिशत हो गई है तो अनाज पर खर्च का प्रतिशत केवल केवल 4 प्रतिशत रह गया है। वाहन आदि पर व्यय ग्रामीण क्षेत्र में 7.8 फीसदी हो गया है तो शहरी क्षेत्र में कुछ ही अधिक 8.2 प्रतिशत हो गया है। यह रहन-सहन व खान-पान के बदलाव की तस्वीर है। साइड-इफेक्ट यह कि अनाज से ज्यादा खर्च स्वास्थ्य यानी की इलाज पर ग्रामीण क्षेत्र में 6.5 प्रतिशत तो शहरी क्षेत्र में इससे कुछ कम 5.9 प्रतिशत होने लगा है। शिक्षा पर खर्च में ग्रामीण क्षेत्र जहां 3.8 प्रतिशत पर अटका है वहीं शहरी क्षेत्र 6 प्रतिशत है। निश्चित रुप से शहरी क्षेत्र में शिक्षा प्राथमिकता बनी हुई है।

यूनिसेफ की चिंता यह नहीं है कि किस पर कितना व्यय हो रहा है। चिंता का कारण यह है कि जंक-फूड के साइड-इफेक्ट सामने आने लगे हैं। आज अधिक कैलोरी वाले जंक-फूड पेट भरने का प्रमुख साधन बन गया है। साइड इफेक्ट देखिये कि बच्चों से लेकर बड़ों तक देश में मोटापा तेजी से बढ़ता जा रहा है। इसी तरह से मोटापा के कारण होने वाली बीमारियों के साथ आज की युवा पीढ़ी हृदय रोग की शिकार होती जा रही है। दुनिया के देशों में जहां डायबिटिज यानी मधुमेह की गिरफ्त को कम करने में जुटे हैं वहीं हमारे देश में मधुमेह की गिरफ्त लगातार मजबूत होती जा रही है। मधुमेह से ग्रसित लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके साथ ही अन्य बीमारियों की पकड़ अधिक होती जा रही है। जंक फूड के चलते इम्यूनिटी प्रभावित हो रही है। अधिक कैलोरी के कारण शरीर थुलथुल होता जा रहा है। हालांकि मोटापे की समस्या से समूची दुनिया जूझ रही है। यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार डिब्बाबंद खाने के चलते साल 2030 तक देश में 2.7 करोड़ से अधिक बच्चे मोटापे की चपेट में आने की आशंका व्यक्त की जा रही है। बच्चे हो या बड़े सबकी पंसद बर्गर, पिज्जा, चिप्स, कुरकुरे, मैगी, बिस्कुट और इसी तरह से डिब्बाबंद खाद्य सामग्री के साथ जूस और सॉफ्ट ड्रिंक पसंद बनते जा रहे हैं। इसका एक तो बड़ा कारण ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में समाज रुप से बढ़ती मार्केटिंग सुविधा, चंद मिनट से लेकर कुछ मिनटों में ही सामग्री की उपलब्धता, फिर स्वाद और आक्रामक विज्ञापनों के मोहजाल के कारण पैक्ड खाद्य सामग्री के प्रति तेजी से रुझान बढ़ा है। आकर्षक नाम, आकर्षक आउटलेट, वेल अरेंज्ड डिलिवरी सिस्टम व गिग वर्कर्स की टीम द्वारा आर्डर के साथ ही चंद मिनटों में उपलब्धता और इसके साथ ही इंस्टेट खाने की आदत के कारण यह सब हो रहा है।चिंता का कारण है कि खाना जो पौष्टिकता और समयानुकूल होता था वह अब कहीं खो गया है। अब स्वाद और इंस्टेट खाने का मोह होने लगा है। एक अन्य कारण शहरों में अध्ययन के लिए जाने, पीजी और लाइब्रेरी की कल्चर ने युवाओं का जंक फूड की गिरफ्त में अधिक ले लिया है। कौन खाना बनाए- के चक्कर में एक फोन पर सहज उपलब्धता को देखते हुए भी जंक फूड को बढ़ावा मिला है। फिर यह शहरों से गांवों तक पहुंच गई है जिससे गांवों में भी जंक फूड आम होता जा रहा है।

यूनिसेफ ही नहीं समूची दुनिया की चिंता का कारण यह है कि खानपान और रहन-सहन की बदलती प्रवृति स्वास्थ्य को बुरी तरह से प्रभावित कर रही है। आज समूची दुनिया मोटापा की समस्या को लेकर गंभीर है तो हृदय रोग की गिरफ्त में कम आयु के भी आने लगे हैं। अब तो साइलेंट अटैक का दौर और चल गया है और संभलने तक का मौका नहीं मिलता है। ऐसे में पंरपरागत खानपान की और लौटना ही होगा। पिछले दिनों ही अधिक कैलोरी और मोटापे की लगातार विकराल होती समस्या के कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं लोगों से अधिक तैलीय खाद्य पदार्थ के उपयोग को कम करने के लिए देशवासियों से आग्रह कर चुके हैं। राजस्थान की सरकार ने एक बड़ा निर्णय करते हुए सरकारी बैठकों में चना-मूंगफली का उपयोग शुरु कर दिया है। यह विश्वव्यापी समस्या है, ऐसे में लोगों की आदत में बदलाव के समग्र प्रयास करने होंगे। यह मालूम होने के बावजूद लोगों द्वारा जंकफूड का उपयोग बढ़ रहा है, इस आदत को बदलना होगा।

उन्नीसवीं शतादी की प्रथम बलिदानी : महान् वीरांगना रानी चेन्नमा

डॉ. आनंद सिंह राणा

जब तक तुम्हारी रानी की नसों में रक्त की एक भी बूंद है, कित्तूर को कोई नहीं ले सकता÷- वीरांगना रानी चेन्नमा का ये कालजयी कथन भारतीयों को स्व के लिए सर्वस्व अर्पित कर देने की सदैव प्रेरणा देता रहेगा। उन्नीसवीं शताब्दी में भारत की प्रथम बलिदानी वीरांगना कित्तूर की रानी- चेन्नम्मा ही थीं, जिन्होंने 11 दिन लगातार अंग्रेजों को पराजित किया और 12 वें दिन अपने लोगों के ही धोखा देने से पराजित हुईं। वीरांगना रानी चेन्नम्मा का गौरवशाली इतिहास है। उन्नीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में रानी चेन्नम्मा भारत की स्वतंत्रता हेतु सक्रिय होने वाली पहली वीरांगना थीं। सर्वथा अकेली होते हुए भी उन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य पर दहशत जमाए रखी।

अंग्रेंजों को भगाने में रानी चेन्नम्मा को सफलता तो नहीं मिली, किंतु ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध खड़ा होने के लिए रानी चेन्नम्मा ने अनेक स्त्रियों को प्रेरित किया। कर्नाटक के कित्तूर रियासत की वह वीरांगना चेन्नम्मा रानी थी। आज वह कित्तूर की रानी चेन्नम्मा के नाम से जानी जाती हैं।रानी चेन्नम्मा का जन्म काकती गांव में (कर्नाटक के उत्तर बेलगांव के एक देहात में) 23 अक्टूबर 1778 में हुआ। बचपन से ही उन्हें घोड़े पर बैठना, तलवारबाजी तथा तीर चलाने का प्रशिक्षण प्राप्त हुआ। पूरे गांव में अपने वीरतापूर्ण कृत्यों के कारण से वह परिचित थीं। रानी चेन्नम्मा का विवाह कित्तूर के शासक मल्लसारजा देसाई से 15 वर्ष की आयु में हुआ। उनका विवाहोत्तर जीवन सन् 1816 में उनके पति की मृत्यु के पश्चात एक दुखभरी कहानी बनकर रह गया। उनका एक पुत्र था किंतु दुर्भाग्य उनका पीछा कर रहा था। सन् 1824 में उनके पुत्र ने अंतिम सांस ली तथा उस अकेली को ब्रिटिश सत्ता से लड़ने हेतु छोड़ कर कर चला गया।

अंग्रेजों द्वारा व्यपगत की नीति के अंतर्गत रानी चेन्नम्मा की रियासत को ब्रिटिश साम्राज्य में मिलाने के लिए अल्टीमेटम दिया और कित्तूर रियासत धारवाड़ जिलाधिकारी के प्रशासन में आ गया। चॅपलीन उस क्षेत्र का कमिश्नर था। उसने नए शासनकर्ता को नहीं माना तथा सूचित किया कि कित्तूर को अंग्रेज़ों का शासन स्वीकार करना होगा। अतः वीरांगना रानी चेन्नम्मा को अंग्रेज़ों के विरुद्ध युद्धघोष करना पड़ा। अंग्रेजों के मनमाने व्यवहार का रानी चेन्नम्मा तथा स्थानीय लोगों ने कड़ा विरोध किया। ठाकरे ने कित्तूर पर आक्रमण किया। इस युद्ध में कई ब्रिटिश सैनिकों के साथ ठाकरे मारा गया। एक छोटे शासक के हाथों अपमानजनक हार स्वीकार करना अंग्रेजों के लिए बड़ा कठिन था। उन्होंने मैसूर तथा सोलापुर से प्रचंड सेना लाकर कित्तूर को घेर लिया । रानी चेन्नम्मा ने युद्ध टालने का अंत तक प्रयास किया, उसने चॅपलीन तथा बॉम्बे प्रेसिडेन्सी के गवर्नर से बातचीत की, जिनके प्रशासन में कित्तूर था। उसका कुछ परिणाम नहीं निकला। आखिरकार परीक्षा की घड़ी आ ही गई और रानी चेन्नम्मा ने युद्ध की घोषणा कर दी । 12 दिनों तक पराक्रमी रानी तथा उनके सैनिकों ने उनके किले की रक्षा की, किंतु अपनी आदत के अनुसार इस बार भी विश्वासघातियों ने तोपों के बारुद में कीचड़ एवं गोबर भर दिया। सन् 1824 में रानी की हार हुई। उन्हें बंदी बनाकर जीवनभर के लिए बैलहोंगल के किले में रखा गया। रानी चेन्नम्मा ने अपने बचे हुए दिन पवित्र ग्रंथ पढ़ने तथा पूजा-पाठ करने में बिताए। सन् 1829 में उनकी मृत्यु हुई। कित्तूर की रानी चेन्नम्मा ब्रितानियों के विरुद्ध युद्ध भले ही न जीत सकी, किंतु विश्व के इतिहास में उनका नाम अजर अमर हो गया।

कर्नाटक में उनका नाम शौर्य की देवी के रुप में बड़े आदरपूर्वक लिया जाता है। रानी चेन्नम्मा एक दिव्य चरित्र बन गई। स्वतंत्रता आंदोलन में जिस धैर्य से उन्होंने अंग्रेज़ों का प्रतिरोध किया, वह कई नाटक, लंबी कहानियां तथा गानों के लिए विषय बन गया। लोकगीत एवं लावनी गाने वाले जो पूरे क्षेत्र में घूमते थे, स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में जोश भर देते थे। दुर्भाग्य देखिए कि तथाकथित वामपंथी और परजीवी सेक्यूलर इतिहासकारों ने इतिहास लिखते समय- सोलहवीं शताब्दी की महान् वीरांगना रानी अब्बक्का चौटा, अठारहवीं शताब्दी की महान् वीरांगना वेलु नचियार और उन्नीसवीं सदी की भारत की प्रथम बलिदानी वीरांगना कित्तूर की रानी चेन्नम्मा के स्वतंत्रता के लिए किए गए बलिदान को हाशिये में भी नहीं रखा। अब इन महान व्यक्तित्वों को प्रतिष्ठित किए जाने की जरूरत है।

बच्चों से भीख मंगवाना एक सामाजिक अपराध

किसी के भी जीवन की सबसे अमूल्य संपत्ति बचपन है। खेलना, पढ़ना, सीखना और सुरक्षित वातावरण में बड़े होना, हर बच्चे का अधिकार है। लेकिन बच्चों का शोषण, भीख मंगवाने के लिए उनका इस्तेमाल और उनकी मासूमियत का लाभ उठाना आज गंभीर सामाजिक समस्या बन चुका है। भीख मंगवाना व्यक्तिगत समस्या नहीं है; यह एक व्यवस्थित व्यवसाय बन चुका है। छोटे-बड़े शहरों में यह आम दृश्य है कि मासूम बच्चे हाथ में थाली, कपड़े या किसी वस्तु के साथ चलते हैं और लोग उनके मासूम चेहरों पर दया दिखा कर पैसे डाल देते हैं।

डॉ प्रियंका सौरभ

यह न केवल बच्चों के बचपन को छीनता है, बल्कि उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से भी प्रभावित करता है। समाज की जागरूकता की कमी, लोगों का दया भाव और कुछ परिवारों की आर्थिक मजबूरी मिलकर इस समस्या को बढ़ावा देते हैं। यह सिर्फ गरीबी का नतीजा नहीं बल्कि बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन भी है।

बचपन किसी भी मानव जीवन का सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील हिस्सा होता है। यह वह समय है जब बच्चे सीखते हैं, अनुभव प्राप्त करते हैं और अपनी पहचान बनाते हैं। लेकिन जब बच्चों को भीख मंगवाने या किसी अन्य शोषण के लिए मजबूर किया जाता है, तो उनका विकास बाधित होता है। भीख मंगवाना कभी-कभी आर्थिक मजबूरी का नतीजा हो सकता है, लेकिन जब यह नियमित रूप से होता है और बच्चे को मजबूर किया जाता है, तो यह शोषण बन जाता है। मासूमियत का फायदा उठाकर बच्चों से पैसे कमाना एक नैतिक अपराध है। समाज की भूमिका यहां महत्वपूर्ण बन जाती है। लोग यह सोचकर पैसा देते हैं कि वे मदद कर रहे हैं, लेकिन वास्तव में वे बच्चों के शोषण को प्रोत्साहित कर रहे हैं।

माता-पिता और परिवार की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे अपने बच्चों को इस तरह की गतिविधियों से बचाएं।भारत में बाल श्रम और बच्चों से भीख मंगवाने को रोकने के लिए कई कानून हैं। बाल श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम बच्चों को मजदूरी और शोषण से बचाने के लिए बनाया गया है। इसके अलावा, चाइल्डलाइन 1098 जैसी सेवाएँ 24×7 बच्चों की मदद के लिए उपलब्ध हैं। एनजीओ और सामाजिक संगठन भी सक्रिय रूप से बच्चों को शोषण से बचाने और उन्हें शिक्षा उपलब्ध कराने का काम कर रहे हैं। लेकिन वास्तविक चुनौती यह है कि कई बार बच्चे और उनके माता-पिता कानूनी संरचना से अनजान रहते हैं और शोषण नेटवर्क इतने संगठित होते हैं कि उन्हें पकड़ना मुश्किल होता है। सरकार और समाज को मिलकर बच्चों की सुरक्षा के लिए जागरूकता फैलानी होगी और उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन देना होगा।

समाज का दया भाव और सहानुभूति अक्सर बच्चों के शोषण का कारण बन जाती है। अगर लोग बच्चों को भीख देने के बजाय सही तरीके से मदद करें, तो वे शोषण को बढ़ने से रोक सकते हैं। स्थानीय समुदाय, स्कूल, माता-पिता और पड़ोसी मिलकर बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। बच्चों को सुरक्षित वातावरण, शिक्षा और खेलकूद का अवसर देना उनके विकास के लिए जरूरी है। समाज को यह समझना होगा कि केवल पैसे देना बच्चों की मदद नहीं है। सही कार्रवाई, जैसे एनजीओ, चाइल्ड लाइन और सामाजिक संस्थाओं को सूचित करना ही बच्चों को शोषण से बचा सकती है।

भीख मंगवाना कई जगहों पर आर्थिक व्यवसाय बन चुका है। कुछ परिवार और नेटवर्क मासूम बच्चों को इस्तेमाल करके पूरे दिन हजारों रुपये कमाते हैं। यह सिर्फ बच्चों की मासूमियत का फायदा उठाना नहीं है, बल्कि उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से प्रभावित करना भी है। पैसा देने वाले लोग यह सोचते हैं कि वे दया कर रहे हैं लेकिन असल में वे इस प्रणाली को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। यह एक चक्र बन जाता है, जिसमें बच्चों का शोषण जारी रहता है। बच्चों के भविष्य और समाज की नैतिक जिम्मेदारी के लिहाज से यह गंभीर समस्या है।

इस समस्या का समाधान समाज, सरकार और नागरिकों के मिलकर काम करने में है। बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा के लिए कदम उठाना जरूरी है।

पैसे देने की बजाय मदद करें। बच्चों को भीख देने के बजाय उन्हें शिक्षा, खेल और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करवाएं। बच्चों की सुरक्षा के लिए चाइल्ड लाइन (1098) और मान्यता प्राप्त एनजीओ से संपर्क करें। समाज में बच्चों के अधिकारों और शोषण की समस्या के बारे में जागरूकता बढ़ाएं। स्कूल, माता-पिता और पड़ोसी मिलकर बच्चों के सुरक्षित वातावरण को सुनिश्चित करें। सिर्फ दया भाव या छोटे पैसों से बच्चों की मदद नहीं होगी। सही कार्रवाई, जागरूकता और कानूनी उपाय ही उन्हें बचा सकते हैं। समाज, सरकार और नागरिकों के मिलकर सही कदम उठाने से ही इस समस्या का समाधान संभव है। जागरूकता, शिक्षा और सहयोग से ही हम बच्चों को उनका बचपन वापस दिला सकते हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव रख सकते हैं।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का तीन दिन तक शिविर लगाकर

शत प्रतिशत निराकरण करायें : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने राजस्व अधिकारियों सहित सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि तीन दिन तक शिविर लगाकर सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का शत प्रतिशत निराकरण करायें। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने गूगल मीट के माध्यम से एसडीएम सहित सभी राजस्व अधिकारियों से शिकायतों की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि 50 दिवस से अधिक तथा चालू माह की शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करायें। ऐसी कोई भी शिकायत न हो जिसे अटेण्ड न किया गया हो साथ ही शिकायतों के संबंध में प्रतिवेदन अवश्य दर्ज करें। कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिये कि हल्कों में आयोजित कैंप में वह स्वयं भी उपस्थित रहें तथा मानीटरिंग करें। शून्य निराकरण करने वाले पटवारियों को नोटिस भी जारी करें। उन्होंने राजस्व न्यायालयों में समय सीमा के बाहर के प्रकरणों में आदेश पारित कर संतुष्टिपूर्वक निराकरण सुनिश्चित करने के भी निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिये। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व विभाग सहित जनपद स्तर व नगरीय निकाय एवं विभागीय अधिकारी शिकायतों के निराकरण हेतु शिविर के उपरांत निराकृत प्रकरणों के संबंध में आगामी टी.एल. बैठक में प्रतिवेदन लेकर स्वयं उपस्थित रहें। उन्होंने आरसीएमएस में लंबित प्रकरणों का निराकरण कर एक सप्ताह में प्रगति लाने के निर्देश दिये। कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। वीसी के माध्यम से राजस्व अधिकारी, सीएमओ तथा जनपद के सीईओ भी जुड़े रहे।

नरवाई प्रबंधन के संबंध में किसानों को जागरूक किया गया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण तथा मिट्टी की उर्वरता के संरक्षण के उद्देश्य से नरवाई जलाने पर जिले में प्रतिबंध लगाया गया है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के निर्देश पर किसानों को खरीफ फसलों की कटाई के बाद खेतों में आग न लगाने की सलाह दी गई। उप संचालक कृषि कल्याण यूपी बागरी ने जानकारी दी की ग्राम इटमा, लोही, माडौ तथा देवास में नरवाई प्रबंधन कार्यक्रम अन्तर्गत किसानों को जागरूक किया गया। किसानों को बताया गया कि हार्वेस्टर के माध्यम से फसल की कटाई करने पर उसमें स्ट्रारीपर लगाना अनिवार्य है। जिन हार्वेस्टरों में अवशेष प्रबंधन सिस्टम नहीं होगा उन्हें फसल कटाने की अनुमति नहीं दी जायेगी। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि खेतों में नरवाई जलाने से मिट्टी के कई लाभदायक सूक्ष्म जीव एवं जैविक कार्बन जलकर नष्ट हो जाते हैं और मिट्टी कठोर हो जाती है। साथ ही इसकी जलधरण क्षमता भी घटती है।

किसान भाईयों को सलाह दी गई कि नरवाई जलाने के स्थान पर फसल के अवशेष को एकत्रित कर पशुओं को भोजन के रूप में उपयोग करें। फसल अवशेष का उपयोग कम्प्रेस्ड नेचुरल गैस बनाने में भी किया जाता है। जिससे किसानों को अतिरिक्त राशि प्राप्त होगी। किसान यदि धान के बाद अन्य कोई फसल लेना चाहता है तो हैप्पी सीडर और सुपर सीडर से फसल की बोनी करे। इससे नरवाई मिट्टी में मिलकर खाद के रूप में फसल के लिए पोषण का कार्य करेगी। नरवाई को बेलर, रैकर एवं चापर मशीन की सहायता से बंडल बनाकर औद्योगिक ईधन के रूप में भी उपयोग किया जा सकता है। कार्यक्रमों में किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने की सलाह भी दी गई। साथ ही कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं से भी परचित कराया गया। इस दौरान ग्राम पंचायतों के किसान भाई तथा कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

खड्डा ग्राम पंचायत में सीईओ ज़िला पंचायत ने किया माँ की बगिया का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने को जनपद पंचायत सिरमौर की ग्राम पंचायत खड्डा में माँ की बगिया योजना के तहत चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने हितग्राहियों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे लगन से कार्य कर रहे हैं, जो अन्य लोगों के लिए प्रेरणा है। निरीक्षण के दौरान उनके साथ जनपद पंचायत सिरमौर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, एपीओ मनरेगा, सरपंच, ग्राम रोजगार सहायक और माँ की बगिया% की हितग्राही रामप्यारी सिंह एवं संगीता सिंह भी उपस्थित थीं।

सीईओ गुर्जर ने रामप्यारी सिंह की माँ की बगिया में की जा रही गतिविधियों को देखकर विशेष प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने बगिया में लगे पपीते, विभिन्न साग-सब्जियों और मौसमी फसलों का अवलोकन किया। उन्होंने रामप्यारी सिंह की मेहनत की तारीफ करते हुए कहा कि ऐसी लगन से किया गया कार्य अन्य हितग्राहियों के लिए प्रेरणास्रोत है। सीईओ ने यह भी देखा कि रामप्यारी सिंह स्वयं अपनी बगिया की बाउंड्री के पिलर निर्माण का कार्य कर रही हैं। इस पर उन्होंने संतोष जताया और कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात गुर्जर ने संगीता सिंह की माँ की बगिया का भी निरीक्षण किया, जहाँ उन्होंने कार्य को संतोषजनक पाया और उन्हें भी समय पर कार्य पूरा करने का निर्देश दिया।

आपकी पूंजी आपका अधिकार अभियान अन्तर्गत कार्यशाला संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। वित्तीय क्षेत्र में अनक्लेम्ड एसेट्स के कुशल एवं त्वरित निपटान को सुगम बनाने के उद्देश्य से आपकी पूंजी आपका अधिकार अभियान अन्तर्गत कार्यशाला का आयोजन किया गया। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित कार्यशाला में कलेक्टर प्रतिभा पाल, यूनियन बैंक के महाप्रबंधक तथा बैंकर्स उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के वित्त सेवा विभाग द्वारा 31 दिसंबर तक बैंकों में जागरूकता शिविर आयोजित किये जा रहे हैं जिसके माध्यम से गत दस वर्ष में जिन खातों में कोई लेन देन नहीं हुआ उनकी राशि रिजर्व बैंक में भेज दी गई है। रिजर्व बैंक द्वारा उपरोक्त राशि को संबंधित बैंकों को भेजकर निर्देश दिये गये हैं कि पहचान कर संबंधित खातेदार को राशि को वापस किया जाय।

कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बैंकर्स से कहा कि ऐसे ग्रामीण खाताधारकों की सूची उपलब्ध करायें ताकि ग्राम सभा में वाचन कराकर उनकी पहचान के उपरांत राशि वापस किये जाने की कार्यवाही की जाय। इसी क्रम में शासकीय विभागों के खातों की भी सूची प्रस्तुत करने की बात कलेक्टर द्वारा कही गई। क्षेत्रीय प्रबंधक अजय खरे ने बताया कि रीवा जिले के यूनियन बैंक शाखाओं में 51 करोड़ रूपये की राशि सहित अन्य बैंकों में भी जमा अनक्लेम्ड राशि को संबंधित खातेदार की पहचान के लिये जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है ताकि वह उनके खातों में वापस की जा सके। अग्रणी जिला प्रबंधक जगमोहन ने बताया कि अनक्लेम्ड जमा राशि, अनक्लेम्ड बीमा दावे, अनक्लेम्ड डिविडेंड, अनक्लेम्ड शेयर एवं म्यूचुअल फण्ड से संबंधित दावे प्राप्त करने के लिए निवेशकों को आवश्यक सहयोग और सहायता दी जाएगी। इसके लिए शिविर में पृथक-पृथक काउंटर उपलब्ध रहेंगे। अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक ने कहा कि आमजनता शिविर का लाभ उठाकर अपनी अनक्लेम्ड राशि वापस ले सकते हैं।

कलेक्टर कार्बाइड गन से बचाव और सुरक्षा के तत्काल उपाय करें : कमिश्नर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने संभाग के सभी जिलों के कलेक्टरों को कैल्शियम कार्बाइड गन से बचाव एवं सुरक्षा के तत्काल उपाय के निर्देश दिए हैं। कमिश्नर ने कहा है कि जिले में यदि कोई भी व्यक्ति कार्बाइड गन के उपयोग से प्रभावित पाया जाए तो उसे तत्काल समुचित उपचार सुविधा दें।

आवश्यक होने पर रोगी को एयर एंबुलेंस के माध्यम से भोपाल अथवा इंदौर जैसे शहरों में उपचार के लिए भेजने की व्यवस्था करें। पीड़ित की आर्थिक स्थिति को देखते हुए उसे मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से उपचार सहायता के लिए प्रकरण भेजें।

कमिश्नर ने कहा कि आमजनता को कार्बाइड गन के दुरूपयोग से होने वाली हानि के संबंध में जागरूक करें। यदि किसी विक्रेता के पास कार्बाइड गन भण्डारित अथवा बिक्री करते पाई जाए तो उसके विरूद्ध विस्फोटक अधिनियम के तहत आपराधिक प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही करें। विस्फोटक पदार्थों के भण्डारण के लाइसेंसधारियों के गोदामों की सघन जाँच कराएं। यदि किसी भी दुकान में अवैध रूप से विस्फोटक पदार्थ अथवा कार्बाइड गन पाई जाती है तो उसके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करें। कार्बाइड गन के संबंध में शासन द्वारा जारी निर्देशों का कठोरता से पालन करें।

मुख्य सचिव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से कार्बाइड गन से पीड़ितों के उपचार के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कमिश्नर तथा कलेक्टर्स को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्बाइड गन से पीड़ितों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि कार्बाइड गन का उपयोग करते समय घायल हुए पीड़ितों को समुचित उपचार की सुविधा दें। उन्हें आवश्यक जाँच और दवाएं उपलब्ध कराएं। यदि आवश्यक हो तो गंभीर रोगी को एयर एंबुलेंस की सहायता से बड़े अस्पतालों में भेजने की व्यवस्था करें। इसके साथ-साथ कार्बाइड गन की बिना लाइसेंस के बिक्री करने वालों पर कड़ी कार्यवाही करें। इसके विक्रय और भण्डारण पर प्रतिबंध लगाएं। त्यौहारों और विवाह समारोहों में भी कार्बाइड गन का उपयोग प्रतिबंधित करें। विस्फोटक बिक्री के लाइसेंस धारकों की दुकानों और गोदाम का निरीक्षण करके अवैध रूप से भण्डारित कार्बाइड गन तथा अन्य विस्फोटकों के पाए जाने पर कड़ी कार्यवाही करें। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। कमिश्नर कार्यालय से कमिश्नर बीएस जामोद, डीन मेडिकल कालेज डॉ सुनील अग्रवाल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला, संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय तथा संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी बैठक में शामिल हुईं।

पुलिस ने किया गाय की बछिया का रेस्क्यू, कार के नीचे फंसी थी, हाथों से गाड़ी को उठाकर बाहर निकाला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। देर रात बछिया का रेस्क्यू करने पुलिस टीम को बुलाया गया। वह एक कार के नीचे बुरी तरह फंसी हुई थी। न हिल-डुल पा रही थी और न ही किसी तरह की हरकत कर रही थी। मदद के लिए मौके पर भ्रमण कर रहे अमहिया थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल और स्टाफ के साथ पहुंचे। जब कार दुर्घटना में कार के नीचे फंसी गाय की बछिया पर पुलिसकर्मियों की नजर पड़ी, तो उन्होंने बछिया का रेस्क्यू शुरू किया। पूरी घटना गुरुवार देर रात की है। इसी बीच किसी ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी बना लिया।

कार को उठाकर बचाई जान: थाना प्रभारी ने बताया कि कार को आगे-पीछे करने से बछिया की मृत्यु हो सकती थी, क्योंकि कार के नीचे स्पेस बहुत कम था और बछिया नीचे से भी नहीं निकल पा रही थी।अमहिया पुलिस ने कार को आमजन की मदद से ज़मीन से ऊपर उठाया और गाय की बछिया को सुरक्षित बाहर निकाला। 10 से अधिक लोगों ने कार को उठाकर रेस्क्यू में मदद की।

पुलिस की संवेदनशीलता ने जीता दिल

बछिया की मां मौके पर ही खड़ी यह करुण दृश्य देख रही थी। पुलिसकर्मियों की इस संवेदनशीलता ने लोगों का दिल जीत लिया। उधर, बछिया बाहर आकर सुरक्षित बच गई। थाना प्रभारी की मानें तो कानून के साथ करुणा भी रीवा पुलिस की पहचान है, और लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश हमेशा बनी रहती है।

बहरहाल, स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर पुलिस गोवंश और थाने में पहुंचने वाले फरियादियों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों के साथ भी इसी तरह की संवेदनशीलता से काम करे, तो पुलिस की बिगड़ती छवि में सुधार आ सकता है और लोगों के मन में पुलिस के प्रति विश्वास की भावना और मजबूत होगी।

आंगनबाड़ी के पास ब्राउन शुगर की तस्करी, शहर में अब ड्रग्स की एंट्री; झिरिया मोहल्ले से दो आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। गांजा और कोरेक्स की तस्करी के बाद अब ब्राउन शुगर और ड्रग्स की तस्करी भी बढ़ने लगी है। खासतौर पर बैकुंठपुर और चाकघाट इलाके इसके लिए मशहूर हैं, लेकिन अब शहर और मुख्यालय भी इससे अछूते नहीं हैं। सिविल लाइन थाना पुलिस को सूचना मिली कि झिरिया मोहल्ला के पास दो व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ ब्राउन शुगर बेचने की फिराक में घूम रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी के निर्देश पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

आरोपी भागने की फिराक में थे: पुलिस को देख आरोपी भागने लगे, लेकिन स्टाफ की मदद से उन्हें घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। दोनों आरोपियों की पहचान इस प्रकार है।

पीयूष मिश्रा उर्फ राजा, पिता गुरु प्रसाद मिश्रा, उम्र 21 वर्ष, निवासी करहिया नंबर 1

नागेन्द्र चतुर्वेदी, पिता सुरेंद्र चतुर्वेदी, उम्र 25 वर्ष, निवासी बीरखाम चौरा

तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 11 ग्राम ब्राउन शुगर और सिल्वर रंग की इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन बरामद हुई। मादक पदार्थ जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार कर थाना सिविल लाइन में अपराध क्रमांक 402/25 धारा 08, 21 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जबकि पुलिस की पड़ताल जारी है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि रीवा में ड्रग्स की तस्करी तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि ऐसे मामलों की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि तस्करी रुक सके। अधिकारियों ने यह भी बताया कि शहर और आसपास के इलाके लगातार निगरानी में हैं और आने वाले समय में ऐसे मामलों पर और सख्ती बरती जाएगी।

तीर्थदर्शन ट्रेन 25 को रीवा से होगी रवाना, मऊगंज के 179 बुजुर्ग यात्री द्वारका-सोमनाथ जाएंगे; सभी को मिले टिकट

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के अंतर्गत मऊगंज जिले के 179 बुजुर्गों को द्वारका और सोमनाथ की नि:शुल्क तीर्थयात्रा का अवसर मिला है। यह विशेष तीर्थदर्शन ट्रेन 25 अक्टूबर को सुबह 8 बजे रीवा रेलवे स्टेशन से रवाना होगी और 31 अक्टूबर को वापस लौटेगी।

शुक्रवार को मऊगंज कलेक्ट्रेट कार्यालय में चयनित यात्रियों को टिकट और पास वितरित किए गए।

बराव गांव के यात्री सुरेश त्रिपाठी ने कहा, जिला बनने के बाद पहली बार ऐसा आयोजन हुआ है। शासन और प्रशासन ने बेहतर प्रबंधन किया है। कलेक्ट्रेट में सभी को तुरंत टिकट और पास मिल रहे हैं और अधिकारी-कर्मचारी यात्रियों की सहायता कर रहे हैं, जिससे सभी बहुत प्रसन्न हैं।

यात्रा के दौरान ये सुविधाएं मिलेंगी: इस योजना का उद्देश्य 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को एक बार नि:शुल्क तीर्थयात्रा कराना है। यात्रा के दौरान आवास, भोजन, पानी, नाश्ता और सुरक्षा की संपूर्ण व्यवस्था शासन द्वारा की जाती है। यात्रियों को मौसम के अनुकूल कपड़े, दवाइयां और अन्य आवश्यक सामग्री साथ रखने की सलाह दी गई है।

जिले से 179 बुजुर्ग यात्रा पर जाएंगे: धर्मस्व विभाग के प्रभारी अधिकारी ने बताया कि इस ट्रेन में रीवा जिले से 200, मऊगंज से 179, सतना से 200 और मैहर जिले से 200 बुजुर्ग यात्रा करेंगे। प्रत्येक जिले से चार अनुरक्षक भी तीर्थयात्रियों की सहायता के लिए साथ रहेंगे। यह यात्रा पूर्णत: नि:शुल्क है और सिर्फ वे नागरिक पात्र हैं जो आयकर दाता नहीं हैं। महिला तीर्थयात्रियों को आयु सीमा में दो वर्ष की छूट प्रदान की गई है।

यह यात्रा न सिर्फ धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक विशेष अनुभव भी सिद्ध होगी। तीर्थदर्शन ट्रेन 25 अक्टूबर को द्वारका और सोमनाथ के लिए प्रस्थान करेगी और 31 अक्टूबर को रीवा लौटकर यात्रियों को उनके संबंधित जिलों तक वापस पहुंचाया जाएगा।

रोजगार मेला 30 अक्टूबर को मऊगंज में

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। युवा संगम कार्यक्रम के तहत शासकीय शहीद केदारनाथ स्मृति महाविद्यालय मऊगंज में 30 अक्टूबर को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक रोजगार मेला आयोजित किया जायेगा। पूर्व में यह मेला 27 अक्टूबर को आयोजित होना था। रोजगार मेले में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में 22 कंपनियों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों में युवक एवं युवतियों की आयु सीमा तथा शैक्षणिक योग्यता अलग-अलग निर्धारित की गई है। वेतन एवं भत्ते 14000 रुपए से 40 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। वेतन एवं भत्ता विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग देय होगा। युवाओ को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा।

उप संचालक ने बताया कि रोजगार मेले में मिग्मा पैकट्रॉन प्रा.लि. इंदौर, बजाज आटोमोबाइल प्रा. लिमिटेड औरंगाबाद, आयसर ट्रक एण्ड बस पीथमपुर, धार (म.प्र.), श्री राम पिस्टन एण्ड रिंग लि. पथरेडी राजस्थान, जय भारत मारूती हरियाणा, जिंदल पाइप्स गाजियाबाद, विनप्रेज इन्फो मीडिया प्रा. लि. लखनऊ, टाटा मोटर ऑटोमोबाइल कम्पनी अहमदाबाद गुजरात, प्रभा बायोप्लांट्स प्रा.लि. रीवा, एनजीएम पीजी भिवाड़ी राजस्थान, पीजी इलेक्ट्रो प्लांट इंडिया लि. पुणे, लेन्सकार्ट इंडिया बिलहरी राजस्थान, याजाकी इंडिया लि. हरियाणा, एमआरएफ लि. दहज, आपोलो टायर्स लि. बड़ोदा गुजरात, प्रगतिशील बायोटेक प्रा.लि. रीवा, अलर्ट एसजीएस प्रा. लि. रायपुर छत्तीसगढ़, सिटी कार प्रा.लि. सतना, सिटी कार प्रा. लि. सतना, प्रगतिशील एग्रोटेक, प्रा.लि. रीवा, एच.डी.एफ.सी. लाईफ इश्योरेन्स कम्पनी लिमि. रीवा, इंडसिंड बैंक (बीएफएलएल), एक्सिस बैंक प्रा.लि. में रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे।

पटाखे फोड़ने की बात पर लाठी-डंडों से हमला

मंदसौर में युवक को मारकर तीन आरोपी फरार; जिला अस्पताल में चल रहा इलाज

मंदसौर, एजेंसी। मंदसौर जिले के सुवासरा थाना क्षेत्र के ग्राम आसपुरा में गुरुवार रात पटाखे फोड़ने को लेकर हुए विवाद में एक युवक पर जानलेवा हमला किया गया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, आसपुरा निवासी कमल सिंह (पिता नैनसिंह) रात करीब 10ः30 बजे अपने घर के बाहर पटाखे फोड़ रहा था। इसी दौरान रामसिंह, कमल सिंह और कृपाल सिंह वहां पहुंचे। तीनों ने कमल सिंह से किसी बात को लेकर विवाद शुरू कर दिया। विवाद बढ़ने पर तीनों आरोपियों ने कमल सिंह पर तलवार और लाठी से हमला कर दिया। इस हमले में कमल सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल कमल सिंह को तत्काल सुवासरा शासकीय अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां उसका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि घायल के सिर में गंभीर चोट आई है। घटना की सूचना मिलने पर सुवासरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ जानलेवा हमले का प्रकरण दर्ज कर लिया है और उनकी तलाश में जुट गई है।

भगवानपुरा चौराहे पर ग्वाला समाज के गुट भिड़े

पुराने विवाद में एक युवक घायल, चार पर मामला दर्ज

नीमच, एजेंसी। नीमच शहर में इंदिरा नगर से सटे नीमच सिटी थाना क्षेत्र के भगवानपुरा चौराहे पर ग्वाला समाज के दो पक्षों के बीच पुराने विवाद को लेकर हिंसक झड़प हो गई। इस दौरान लाठी-डंडों से मारपीट हुई, जिसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना गुरुवार देर रात की है।

पुरानी रंजिश में आपस में भिड़े दो गुट: यह विवाद भगवानपुरा निवासी दीपक पिता शंभूलाल ग्वाला और कुछ स्थानीय युवकों के बीच चल रही पुरानी रंजिश का परिणाम था। इस रंजिश की शुरुआत हाल ही में बघाना क्षेत्र में भी हुई थी। इसी पुरानी दुश्मनी के चलते गुरुवार देर रात दोनों पक्ष अपने-अपने समर्थकों के साथ भगवानपुरा चौराहे पर आमने-सामने आ गए।

हिंसक झड़प के दौरान एक पक्ष के कमलेश धनगर, जो पीजी कॉलेज के पीछे, नीमच सिटी के निवासी हैं, को सिर में लाठी से गंभीर चोट लगी। उन्हें तत्काल जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

झगड़े की सूचना मिलते ही, सिटी थाना प्रभारी विकास पटेल पुलिस टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बल प्रयोग कर स्थिति को नियंत्रण में लिया और वहां जमा भीड़ को तितर-बितर किया। तनाव को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। घायल पक्ष की ओर से दीपक पिता शंभुलाल ग्वाला की रिपोर्ट पर, पुलिस ने प्रदीप ग्वाला, राहुल, प्रेम और मोनू ग्वाला (सभी निवासी ग्वाल मोहल्ला, नीमचसिटी) के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर लिया है। मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

हरदा में नदी में जाकर गिरा ट्रक

बाइक को बचाने के चक्कर में हादसा; रेलिंग तोड़कर गिरा वाहन, ड्राइवर सुरक्षित

हरदा, एजेंसी। हरदा में एक ट्रक रेलिंग तोड़कर नदी में जा गिरा। हादसा बाइक को बचाने के लिए हुआ। दरअसल शुक्रवार सुबह मगरधा की ओर जा रहा एक ट्रक बालागांव और बुंदड़ा के बीच मटकुल नदी के पुल की रेलिंग तोड़कर गिरा। गनीमत रही कि ट्रक चालक सुरक्षित है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पुल पर सामने से आ रहे बाइक सवार को बचाने के प्रयास में ट्रक अनियंत्रित हो गया। इसके बाद वह रेलिंग तोड़ते हुए नदी में जा गिरा। इस घटना में ट्रक और उसके चालक को कोई गंभीर चोट नहीं आई।

हरदा से मगरधा जाने वाले मार्ग पर स्थित मटकुल नदी का यह पुल सड़क से काफी नीचा है और इसकी चौड़ाई भी कम है। पुल पर रेलिंग न होने और अंधे मोड़ के कारण दोनों तरफ से आने वाले वाहन एक-दूसरे को समय पर दिखाई नहीं देते, जिससे यहां अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

लोग बोले- पुल ऊंचा कराने की कर चुके मांग: स्थानीय ग्रामीणों ने पुल को ऊंचा करने और सड़क चौड़ीकरण की मांग कई बार अधिकारियों के सामने उठाई है, लेकिन इस समस्या पर अब तक कोई ध्यान नहीं दिया गया है। यह मार्ग रोजाना सैकड़ों वाहनों की आवाजाही का मुख्य रास्ता है। बारिश के दिनों में नदी में पानी आने पर यह मार्ग बंद हो जाता है, जिससे लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ता है।

ग्रामीणों ने बताया कि यदि नदी में पानी अधिक होता, तो केबिन में फंसे चालक की जान भी जा सकती थी। पुल की खराब स्थिति के कारण यहां हमेशा हादसे की आशंका बनी रहती है।

रेलवे ट्रैक पर मिला डिलीवरी बॉय का शव

बैतूल के आमला में सिर धड़ से अलग पड़ा था; पुलिस ने आत्महत्या बताया

बैतूल, एजेंसी। बैतूल के आमला में एक ऑनलाइन कंपनी के डिलीवरी बॉय का शव रेलवे पटरी पर मिला है। मृतक की पहचान नकुल कटारिया (21) के रूप में हुई है, जिसका सिर धड़ से अलग मिला। यह घटना बीती रात कमानी पुलिया आमला के पास हुई। रात करीब साढ़े नौ बजे एक ट्रेन पायलट ने पटरी पर शव देखकर स्टेशन मास्टर को सूचना दी। स्टेशन मास्टर ने तत्काल पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद किया।

पिता करते हैं बर्तन बनाने का काम: मृतक नकुल कटारिया आमला के वार्ड नंबर तीन, कसारी मोहल्ला का निवासी था। वह ऑनलाइन शॉपिंग की डिलीवरी का काम करता था। उसके परिवार में एक बड़ा और एक छोटा भाई है, और उसके पिता कसार बर्तन बनाने का काम करते हैं।

पुलिस को आत्महत्या का शव: जांच अधिकारी रामेश्वर सिंह राजपूत के अनुसार नकुल रात आठ बजे अपनी दुकान से निकला था। पुलिस को आशंका है कि उसने पटरी पर लेटकर आत्महत्या की है, क्योंकि शरीर क्षत-विक्षत होने के बजाय सिर धड़ से अलग मिला। ट्रेन के पायलट ने भी उसे पटरी पर लेटा हुआ देखा था।

रतलाम में युवक के ट्रेन से दोनों पैर कटे घायल ने दूसरे युवक पर धक्का मारने का आरोप लगाया; पुलिस बोली- प्रेम-प्रसंग मामला

रतलाम, एजेंसी। रतलाम में ट्रेन के सामने आने पर एक युवक के दोनों पैर कट गए। घायल युवक ने दूसरे युवक पर उसे घर से बुला ले जाकर धक्का मारने का आरोप लगाया है। वहीं पुलिस का कहना है कि युवक खुद सुसाइड करने गया था। जिन पर आरोप लगाया जा रहा है वह उस समय थाने में मौजूद थे। मामला बुधवार रात का है। घायल का नाम अजय (18) पिता राजू गामड़ है, जो मेडिकल कॉलेज में भर्ती है।

दोस्त पर धक्का देने का आरोप: घायल ने आरोप लगाया कि उसका दोस्त विशाल उर्फ चिन्नी उसे घर से बुलाकर लेकर गया। ईश्वर नगर पटरियों के किनारे उसके साथ आए राजा, दीपा ने विवाद कर ट्रेन आने पर धक्का दे दिया। अपना बचाव करने के दौरान पैर कट गए। रात में घर वालों ने मेडिकल कॉलेज लाकर भर्ती कराया। घायल का कहना था कि बुधवार दोपहर बुआ के लड़के को राजा ने चांटा मारा था। इसी बात को लेकर राजा से मेरी कहासुनी हुई थी। विशाल उर्फ चिन्नी शाम को घर पर बुलाने आया। मैं उसके साथ गया। राजा व उसका छोटा भाई दीपा पटरी के पास बैठे थे। राजा ने ट्रेन के आगे धक्का दे दिया। मैं भाग नहीं पाया। बुधवार रात पैर कटने पर परिजन ही उसे मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे थे। बाद में पुलिस को सूचना दी। इस मामले में सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया का कहना है कि घटनाक्रम की जांच

की जा रही है।

डीडी नगर थाना प्रभारी अनुराग यादव ने बताया: प्रेम प्रसंग के चलते युवक खुद सुसाइड करने गया था। आसपास के लोगों ने उसे घर से भागते हुए ट्रेन आने पर लेटते हुए देखा है। जिन पर आरोप लगाया जा रहा है वह पहले से गिरफ्त में होकर थाने में थे। इन दोनों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर जेल भेज दिया है।

एक दिन पहले का विवाद: दरअसल पूरा विवाद बुधवार दोपहर से शुरू हुआ था। घायल अजय की बुआ अंजू ने डीडी नगर पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बुधवार दोपहर वह घर पर थी। विशाल उर्फ चिन्नी, राजा गामड, पायल गामड, मायी सभी निवासी ईश्वर नगर आए। विशाल उर्फ चिन्नी ने चाकू दिखाया।

बोला कि तेरा भाई प्रेम कहा है, मैंने कहा वो तो प्रेम घर पर नहीं है। विशाल उर्फ चिन्नी बोला की तेरे और तेरे भाई में चाकू घुसा दूंगा। विशाल मेरे साथ झूमा-झपटी करने लगा। मैंने विशाल को धक्का देकर भगाया। फिर मैंने मेरी मम्मी गबली बाई को फोन लगाया तो मम्मी व भाई प्रेम घर पर आए।

उसके बाद हमने विशाल को ढुंढा तो वह बाजना बस स्टैंड पर मिला। बाजना बस स्टैंड पर मेरे भाई प्रेम ने विशाल से बोला कि मेरी बहन के साथ झूमा-झपटी क्यो कि तो विशाल ने भाई प्रेम को बियर की बोतल मारने गया। भाई प्रेम नीचे झुक गया।

थाने के बाहर भी की मारपीट: रिपोर्ट में अंजू ने बताया कि मैं तथा बहन रेखा व भतीजा अरूण कटारा थाने पर आ रहे थे तो थाने के बाहर विशाल व अन्य मिले। उन्होंने गाली दी। बहन रेखा, भतीजा अरूण को विशाल व अन्य ने पत्थर से मारा। भतीजे अरूण कटारा के सिर में, बहन रेखा के गाल पर अन्नु कटारा ने ब्लेड से मारी जिससे खून निकलने लगा। मां गबली, बहन राधाबाई ने आकर बीच बचाव किया।

नर्मदापुरम में बादल छाए रहने से ठंड का असर कम

गरज चमक के साथ बारिश की संभावना, 27 से सक्रिय होगा पश्चिमी विक्षोभ

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदापुरम जिले में पिछले तीन दिनों से मौसम में लगातार बदलाव देखा जा रहा है। आसमान में बादल छाए रहने के कारण दिन और रात दोनों समय के तापमान में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। अक्टूबर के तीसरे सप्ताह में महसूस की गई गुलाबी ठंड का असर अब कम हो गया है और रात में गर्मी का अहसास होने लगा है। मौसम विभाग ने जिले में अगले पांच दिनों तक बादल छाए रहने के साथ गरज-चमक के साथ हल्की बारिश और बौछारें पड़ने की संभावना जताई है।

कई हिस्सों में छाए रहे बादल: गुरुवार को जिले के कई हिस्सों में दिनभर बादल छाए रहे,

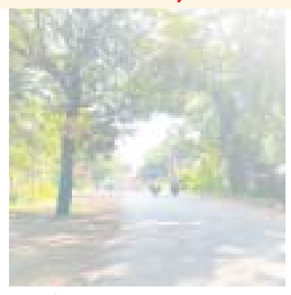

जिससे धूप कम निकली। हालांकि शुक्रवार को मौसम साफ रहा और सुबह से धूप खिली हुई है।

मौसम वैज्ञानिक डॉ. प्रमेंद्र कुमार ने बताया कि अरब सागर से आ रही नमी, कर्नाटक की ओर बने कम दबाव के क्षेत्र और उत्तर प्रदेश की ओर से बन रहे ऊपरी हवाओं के चक्रवात का असर प्रदेश के कई हिस्सों पर दिखाई दे रहा है। इसी कारण नर्मदापुरम जिले में भी हल्की बारिश और गरज-चमक की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने बताया कि फिलहाल एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है और 27 अक्टूबर को एक नया पश्चिमी विक्षोभ बनने की संभावना है। यदि यह प्रभावशाली रहा तो अक्टूबर के अंत तक जिले में बादल छाए रह सकते हैं और हल्की बारिश का दौर जारी रह सकता है।

जिले में बीते दिनों ऐसा रहा तापमान: जिले में पिछले तीन दिनों से तापमान में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। 20 अक्टूबर से रात का तापमान लगातार बढ़ रहा था, लेकिन शुक्रवार को इसमें हल्की गिरावट दर्ज की गई।

रंजिश में युवक पर चाकुओं से हमला, गंभीर

सागर के पुरव्याऊ क्षेत्र की वारदात, पेट, पीठ और कान के पास लगे घाव

सागर, एजेंसी। सागर के कोतवाली थाना क्षेत्र के पुरव्याऊ इलाके में पुरानी रंजिश में युवक पर दो युवकों ने चाकुओं से हमला कर दिया। हमले में युवक गंभीर घायल हुआ है। उसे पेट, पीठ और कान के पास घाव लगे हैं। वारदात की शिकायत पर पुलिस ने दो युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

पुलिस के अनुसार, घायल निर्भय पिता राजाराम रैकवार उम्र 27 साल निवासी पुरव्याऊ टौरी ने शिकायत करते हुए बताया कि वह शाम करीब 7.30 बजे खिरका से पैदल घर जा रहा था। तभी गणेश मंदिर के पास पुरानी रंजिश को लेकर ऋषि रैकवार और गौरव

रैकवार मिले। उन्होंने गालीगलौज शुरू कर दी।

गालियां देने से मना किया तो दोनों ने जेब से चाकू निकाले और हमला कर दिया। चाकूबाजी में चाकू पेट, पीठ और कान के पास लगा। जिससे खून निकले लगा। विवाद होते देख आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। बीचबचाव कर मामला शांत कराया।

दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज: घटनाक्रम की सूचना पर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और घायल को बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। जहां उसका उपचार चल रहा है। मामले की शिकायत पर पुलिस ने ऋषि और गौरव के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में लिया है। परिवार के लोगों ने बताया कि कुछ महीने पहले धार्मिक आयोजन कराया था। आयोजन के दौरान ही आरोपियों से घायल युवक की कहासुनी हुई थी। इसी बात की रंजिश में उन्होंने वारदात को अंजाम दिया है।

ओंकारेश्वर में होटल में घुसी बस, 12 से ज्यादा घायल

दीवार टूटी; रतनगढ़ से लौट रहे श्रद्धालुओं का ट्रैक्टर पलटा, 18 लोग घायल हुए

खंडवा, एजेंसी। ओंकारेश्वर और दतिया में गरुवार को 4 बड़े सड़क हादसे हुए। पहला बड़ा हादसा तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में हुआ, जहां गुरुवार दोपहर को एक यात्री बस अनियंत्रित होकर होटल में जा घुसी, जिसमें करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए। वहीं, रतनगढ़ माता मंदिर से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं के साथ तीन अलग-अलग हादसे हुए। इन तीन हादसों में 1 श्रद्धालु की मौत हो गई और 28 लोग घायल हुए। रतनगढ़ के हादसे ट्रैक्टर-ट्रॉली और ऑटो पलटने से हुए, जो ओवरलोड थे।

होटल में घुसी बस, एक दर्जन घायल: तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में गुरुवार दोपहर को एक भीषण बस हादसा हो गया। ओंकारेश्वर रोड पर शिवकोठी के पास एक यात्री बस अनियंत्रित होकर सीधे एक होटल में जा घुसी। इस हादसे में करीब एक

दर्जन लोग घायल हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए सनावद अस्पताल ले जाया गया है।

पुलिस बोली- कोई जनहानि नहीं: मांधाता पुलिस के अनुसार, फिलहाल हादसे में कोई जनहानि की सूचना नहीं हैं। सभी घायलों को मामूली चोटें आई हैं। बस की टक्कर से होटल की दीवार टूट गई है, वहीं बस का अगला हिस्सा भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है।

दतिया में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से 18 लोग घायल: रतनगढ़ माता मंदिर से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं के जत्थे गुरुवार सुबह तीन अलग-अलग हादसों का शिकार हो गए। पहला हादसा धीरपुरा थाने के पास हुआ, जहां श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। इस घटना में 18 लोग घायल हो गए। दूसरा हादसा झांसी के मुरारी गांव के श्रद्धालुओं के साथ हुआ। इस हादसे में एक की मौत और तीन अन्य लोग घायल हुए। वहीं तीसरा हादसा सेंथरी गांव के पास श्रद्धालुओं से भरा एक ऑटो पलट गया। इस हादसे में सात लोग घायल हुए।

कलेक्टर का प्रतिबंध बेअसर, पुलिस ने नहीं रोका: बताया गया कि सभी हादसे ओवरलोडिंग और लापरवाही से हुए। ट्रैक्टर और लोडिंग वाहनों में सवारियां ले जाने पर पहले से कलेक्टर द्वारा प्रतिबंध जारी किया गया था। बावजूद इसके, रतनगढ़ मेले से लौटते ये वाहन कई पुलिस चौकियों से गुजरे, लेकिन किसी ने भी उन्हें रोकने की कोशिश नहीं की।

दो बच्चों की मौत का कारण पता नहीं चला

सीहोर में फूड पॉइजनिंग की आशंका

सीहोर, एजेंसी। सीहोर जिले में पांच दिन पहले हुई दो बच्चों की मौत का मामला अब भी रहस्य बना हुआ है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) डॉ. सुधीर कुमार डेहरिया ने बताया कि बच्चों की मृत्यु के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही चल पाएगा। प्रथम दृष्टया इन मौतों का कारण फूड पॉइजनिंग माना जा रहा है।

दरअसल ग्राम कचनारिया में 20 अक्टूबर को दो बच्चों की मृत्यु हुई थी। सूचना मिलते ही विकासखंड के मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमित माथुर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉ. बी.के. डोहर और एक स्वास्थ्य दल ने गांव का दौरा किया। भ्रमण के दौरान, मृतक बच्चों के परिवार के अलावा गांव में उल्टी, दस्त, बुखार या अन्य किसी बीमारी के लक्षण वाला कोई और मामला सामने नहीं आया। इससे यह सुनिश्चित किया गया कि यह कोई व्यापक बीमारी का प्रकोप नहीं है।

मृतक बच्चों में से एक, 8 वर्षीय वंश (पिता अखिलेश), को 20 अक्टूबर को उल्टी होने पर सुबह 11:13 बजे सिविल अस्पताल आष्टा लाया गया था। वहां से उसे सुबह 11:30 बजे सीहोर जिला चिकित्सालय रेफर किया गया, जहां पहुंचने पर बच्चे को मृत घोषित कर दिया गया। दूसरे बच्चे की मृत्यु घर पर ही हो गई थी। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा वर्तमान में गांव में सतत निगरानी रखी जा रही है ताकि किसी भी नई स्वास्थ्य समस्या का तुरंत पता लगाया जा सके।

पटाखे की तरह आवाज करने वाली 21 बुलट जब्त

धार में नाबालिग को वाहन चलाते पकड़ा

धार, एजेंसी। धार में दो नाबालिग वाहन चलाते पकड़ाए। पुलिस ने उनके पिता का तीन हजार रुपए का चालान बनाया। पटाखे जैसी आवाज वाले मॉडिफाइड सायलेंसर लगाने वाले बुलेट चालकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। रात को त्रिमूर्ति चौराहे पर 21 वाहनों को जब्त किया। इस कार्रवाई के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें सिविल ड्रेस में भी तैनात थीं।

यह कार्रवाई शांति समिति की बैठक में मिली शिकायतों के बाद की गई। सदस्यों ने बताया था कि रात में आदर्श सड़क पर कई युवा तेज गति से वाहन चलाते हैं और उनसे पटाखे जैसी तेज आवाज आती है।

ट्रैफिक सूबेदार रोहित निकम ने जानकारी दी कि मॉडिफाइड साइलेंसर से निकलने वाली तेज आवाज से आसपास चलने वाले अन्य वाहन चालक परेशान होते हैं, जिसकी शिकायतें लगातार मिल रही थीं।

सीएसपी सुजावल जग्गा के निर्देशन में यह कार्रवाई कल रात में की गई। इस दौरान बुलेट के साइलेंसर की जांच के अलावा, बिना नंबर वाले वाहनों और नियमानुसार नंबर प्लेट न लगाने पर भी चालानी कार्रवाई की गई।

पिता का बना तीन हजार का चालान: कार्रवाई के दौरान दो नाबालिग भी वाहन चलाते मिले। जिन पर उनके पिता को थाने बुलाया गया व बाद में उन्हें ही वाहन सौंपे गए व वे ही चलाकर ले गए। ट्रैफिक सूबेदार के अनुसार अनाधिकृत व्यक्ति को गाड़ी चलाने देने पर दोगुना चालान का नियम है, जिसके तहत दोगुना चालान बनाए गए।

सड़क हादसे में मौत के बाद जिला अस्पताल में हंगामा

छतरपुर में परिजनों ने तीन युवकों को घसीट-घसीट कर पीटा

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर जिला अस्पताल की इमरजेंसी में गुरुवार रात एक सड़क हादसे में व्यक्ति की मौत के बाद जमकर हंगामा हुआ। मृतक के परिजनों ने बाइक सवार तीन युवकों की बेल्ट और लात-घूंसों से पिटाई कर दी। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसके बाद सिटी कोतवाली पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

यह घटना रात करीब 9 बजे हुई। लगभग 15 लोगों ने तीन युवकों को अस्पताल के अंदर पीटना शुरू किया और उन्हें घसीटते हुए अस्पताल के बाहर छत्रसाल चौराहे तक ले गए। अस्पताल के गार्डों ने कंट्रोल रूम पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामला शांत करवाया।

जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान सटई रोड निवासी 35 वर्षीय दिलीप पिता बृन्दावन यादव के रूप में हुई है। दिलीप रात 8 बजे पन्नानाका से साइकिल से अपने घर जा रहे थे, तभी शराब ठेके के सामने एक बाइक सवार ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद बाइक सवार ही घायल दिलीप को जिला अस्पताल ले गए।

मौत होने पर बाइक सवारों की पिटाई: जिला अस्पताल में डॉक्टर रोशन द्विवेदी और नंद

किशोर जाटव ने दिलीप को मृत घोषित कर दिया। दिलीप की मौत की खबर सुनते ही उनके करीब 15 परिजन आक्रोशित हो गए और उन्होंने बाइक सवार तीन लोगों पर हमला कर दिया।

अस्पताल के तीन गार्ड, दो डॉक्टर और चौकी में तैनात पुलिसकर्मियों ने मारपीट रोकने का प्रयास किया, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। परिजनों ने तीनों युवकों को छत्रसाल चौराहे तक पीटते और घसीटते हुए ले गए, जहां कोतवाली पुलिस ने हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित किया।

घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कुछ लोग इमरजेंसी वार्ड में तीन युवकों की पिटाई करते दिख रहे हैं। वीडियो में गार्डों ने बचाने का प्रयास करते हुए उनके साथ धक्का-मुक्की भी करते देखा जा सकता है। इस संबंध में सिटी कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद दांगी से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका फोन नहीं उठा।

मिठाई दुकान पर काम करता था दिलीप: बड़े भाई देशपथ यादव ने बताया कि उसका भाई दिलीप पन्नानाका पर मिश्रा स्वीट मिठाई की दुकान पर काम करता था। भाई साइकिल से घर जा रहा था, बाइक सवार ने टक्कर मार दी। जानकारी लगने पर अस्पताल आया। वही लोग एम्बुलेंस से अस्पताल लाए थे, डॉक्टर ने भाई को मृत बताया है।

भारत के खिलाफ तीसरे वनडे के लिए एडवर्ड्स ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल, बियर्डमैन टी20 स्क्वाड में, मैक्सवेल की वापसी

सिडनी, एजेंसी। न्यू साउथ वेल्स के ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स को पहली बार अंतरराष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। उन्हें भारत के खिलाफ होने वाले अंतिम वनडे मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल किया गया है। वहीं ग्लेन मैक्सवेल और बेन ड्वार्शुइस चोट से उबरकर आगामी टी20 श्रृंखला के अंतिम मुकाबलों में वापसी करेंगे। युवा तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन को भी भारत के खिलाफ टी20 टीम में शामिल किया गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को वनडे और टी20 दोनों टीमों में कई बदलावों की घोषणा की। मार्नस लाबुशेन को सिडनी में होने वाले तीसरे वनडे से पहले टीम से रिलीज कर दिया गया है ताकि वे आने वाले शेफील्ड शील्ड मैच में क्वींसलैंड की ओर से न्यू साउथ वेल्स के खिलाफ खेल सकें।

जोश हेजलवुड और सीन एबॉट टी20 श्रृंखला के अंतिम मुकाबले नहीं खेलेंगे, क्योंकि दोनों आगामी शील्ड मैच के लिए अपने-अपने राज्यों का प्रतिनिधित्व करेंगे। हेजलवुड केवल शुरुआती दो टी20 मुकाबले खेलेंगे, जबकि एबॉट तीसरे टी20 के बाद टीम से बाहर हो जाएंगे। मैथ्यू कूहनेमन, जिन्होंने पहले वनडे में खेला था, उन्हें तीसरे वनडे के लिए फिर से टीम में बुलाया गया है। इसी तरह जॉश फिलिप को टी20 टीम में बैकअप विकेटकीपर के रूप में शामिल किया गया है क्योंकि जॉश इंग्लिस अभी भी पिंडली की चोट से पूरी तरह नहीं उबरे हैं। ग्लेन मैक्सवेल, जो पिछले महीने न्यूजीलैंड में अभ्यास सत्र के दौरान कलाई में फ्रैक्चर के कारण शुरुआती दो टी20 से बाहर थे, अब अंतिम तीन मैचों में टीम से जुड़ेंगे। वहीं बेन ड्वार्शुइस, जो पिंडली की चोट के कारण वनडे और शुरुआती तीन टी20 से बाहर थे, अब चौथे और पांचवें टी20 के लिए टीम में लौटेंगे। 20 वर्षीय महली बियर्डमैन को टी20 श्रृंखला के अंतिम तीन मैचों के लिए मौका दिया गया है। यह युवा तेज गेंदबाज 2024 में इंग्लैंड दौरे के दौरान चोटिल खिलाड़ी के स्थान पर टीम में शामिल हुआ था। हाल ही में वह पर्थ स्कॉर्चर्स और वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के लिए शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं – उन्होंने अपने चार लिस्ट-ए मैचों में 12 विकेट 17.75 की औसत से लिए हैं। जैक एडवर्ड्स का चयन उनकी हालिया शानदार फॉर्म के चलते हुआ है। उन्होंने भारत दौरे पर ऑस्ट्रेलिया ए के लिए बेहतरीन प्रदर्शन किया – लखनऊ में 88 रन की पारी खेलने के साथ-साथ कानपुर में 4/56 और 89 रन की पारी खेली। उनकी मौजूदगी से ऑस्ट्रेलिया तीसरे वनडे में एक ऑलराउंडर-प्रधान संयोजन आज़मा सकता है और तेज गेंदबाजों को आराम देने का विकल्प भी मिलेगा।ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम (तीसरा वनडे बनाम भारत, सिडनी) मिचेल मार्श (कप्तान), ज़ेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), कूपर कॉनॉली, जैक एडवर्ड्स, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जॉश इंग्लिस (विकेटकीपर), मैथ्यू कूनेमन, मिचेल ओवेन, जॉश फिलिप (विकेटकीपर), मैट रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिचेल स्टार्क, एडम ज़म्पा

ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम (भारत बनाम श्रृंखला)- मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट (केवल पहले तीन मैच), ज़ेवियर बार्टलेट, महली बियर्डमैन (केवल अंतिम तीन मैच), टिम डेविड, बेन ड्वार्शुइस (केवल अंतिम दो मैच), नाथन एलिस, जोश हेजलवुड (केवल पहले दो मैच), ट्रैविस हेड, मार्कस स्टॉइनिस, एडम ज़म्पा।

हॉकी इंडिया ने सीनियर महिला राष्ट्रीय शिविर के लिए 39 सदस्यीय कोर ग्रुप की घोषणा की

बेंगलुरु, एजेंसी। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 39 सदस्यीय कोर संभावित ग्रुप की घोषणा की। यह शिविर 24 अक्टूबर से 7 दिसंबर तक बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) केंद्र में आयोजित होगा।यह शिविर चीन के हांग्जो में आयोजित महिला एशिया कप 2025 में भारतीय महिला हॉकी टीम के शानदार प्रदर्शन पर आधारित है, जहां उन्होंने रजत पदक जीतकर एशिया की शीर्ष टीमों में से एक के रूप में अपनी स्थिति को और मजबूत किया। गोलकीपिंग यूनिट में बिचू देवी खारीबाम, बंसरी सोलंकी, और माधुरी किंडो के साथ-साथ असम हॉकी की प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी समीक्षा सक्सेना भी शामिल हैं, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में राष्ट्रीय चैंपियनशिप में अपने प्रदर्शन से चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया था।

रक्षात्मक लाइनअप का नेतृत्व अनुभवी खिलाड़ियों निक्की प्रधान, सुशीला चानू पुखरामबम, उदिता और महिमा चौधरी द्वारा किया जाएगा, जो उभरती हुई प्रतिभाओं इशिका चौधरी, ज्योति छत्री, अंजना डुंगडुंग, अक्षता अबासो ढेकाले और सुमन देवी थौदाम द्वारा पूरक हैं, जो ऊर्जा और युवा को बैकलाइन में लाते हैं। मिडफील्ड में, टीम कौशल और निरंतरता का संयोजन करती है, जिसे नेहा, सलीमा टेटे, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, मनीषा चौहान और शर्मिला देवी के अनुभव के साथ-साथ उभरती प्रतिभाएं सुजाता कुजूर, महिमा टेटे, अलबेला रानी टोप्पो और पूजा यादव का समर्थन प्राप्त है।फॉरवर्ड लाइन में गति और स्कोरिंग प्रतिभा का एक रोमांचक मिश्रण है, जिसमें नवनीत कौर, दीपिका सोरेंग, संगीता कुमारी, रुतुजा दादासो पिसल, मुमताज खान, ब्यूटी डुंगडुंग, अन्नू, ऋतिका सिंह, दीपिकामोनिका टोप्पो, चंदना जगदीश और काजल सदाशिव अटपडकर शामिल हैं। दीपिका, जो अपने ड्रैग-फ्लिकिंग कौशल के लिए जानी जाती हैं और हाल ही में एक चोट से उबरी हैं, जो महिला एशिया कप 2025 में नहीं खेल पाई थीं, सीनियर कैंप का भी हिस्सा हैं। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, ÷टीम ने हाल ही में हुए महिला एशिया कप में शानदार खेल दिखाया, और यह कैंप हमें उस गति को और आगे बढ़ाने का अवसर देगा। हमारा ध्यान अपनी संरचना को बेहतर बनाने, महत्वपूर्ण क्षणों में अपने रूपांतरण में सुधार करने और शारीरिक कंडीशनिंग को बेहतर बनाने पर होगा। हम आक्रमण में अपनी स्वतंत्रता को बढ़ाने और अपने खेल के सिद्धांतों के साथ अधिक निकटता से जुड़ने के लिए अपनी रक्षात्मक संरचना पर भी अधिक जोर देना चाहते हैं।÷

उन्होंने आगे कहा, ÷हमारे पास अनुभवी खिलाड़ियों और होनहार युवा प्रतिभाओं का अच्छा मिश्रण है, और यह देखना रोमांचक होगा कि वे समूह के समग्र स्तर को ऊंचा उठाने के लिए एक-दूसरे को कैसे प्रेरित करते हैं। यह राष्ट्रीय कोचिंग शिविर आगामी अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम और भविष्य के वैश्विक टूर्नामेंटों की तैयारी के लिए अंतिम कोर टीम का चयन करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।÷

भारतीय महिला हॉकी टीम का नया 39 सदस्यीय सीनियर कोर ग्रुप-

गोलकीपर : बिचु देवी खारीबाम, बंसरी सोलंकी, माधुरी किंडो, समीक्षा सक्सेना।

डिफेंडर : महिमा चौधरी, निक्की प्रधान, सुशीला चानू पुखरामबम, उदिता, इशिका चौधरी, ज्योति छत्री, ज्योति, अक्षता अबासो ढेकाले, अंजना डुंगडुंग, सुमन देवी थौदम।

मिडफील्डर : सुजाता कुजूर, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नेहा, सलीमा टेटे, मनीषा चौहान, अजमीना कुजूर, सुनीता टोप्पो, लालरेम्सियामी, शर्मिला देवी, बलजीत कौर, महिमा टेटे, अलबेला रानी टोप्पो, और पूजा यादव।

फॉरवर्ड : दिपीमोनिका टोप्पो, रितिका सिंह, दीपिका सोरेंग, नवनीत कौर, संगीता कुमारी, दीपिका, रुताजा दादासो पिसल, ब्यूटी डुंगडुंग, मुमताज खान, अन्नू, चंदना जगदीश, काजल सदाशिव अतपडकर।

लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी के साथ अनुबंध बढ़ाया, 2028 तक क्लब में बने रहेंगे

मियामी, एजेंसी। विश्व फुटबॉल सुपरस्टार लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी के साथ अपना नया तीन साल का अनुबंध साइन कर लिया है। इस समझौते के साथ मेसी अब 2028 तक मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में खेलते नजर आएंगे। यह घोषणा मियामी के प्लेऑफ ओपनर से ठीक एक दिन पहले की गई। मेसी की टीम, इंटर मियामी, ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में तीसरे स्थान पर रहते हुए अब नैशविल के खिलाफ शुक्रवार को तीन मैचों की सीरीज़ के पहले मुकाबले की मेजबानी करेगी। मेसी ने अपने बयान में कहा, ÷यह मेरे लिए बहुत खुशी की बात है कि मैं यहां रहकर इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ा रहा हूं, जो मेरे सपने के साथ-साथ अब एक खूबसूरत हकीकत बन चुका है – मियामी फ्रीडम पार्क में खेलना। जब से मैं मियामी आया हूं, मैं बेहद खुश हूं और इस सफर को जारी रखने के लिए उत्साहित हूं। यह फैसला न केवल क्लब के लिए बल्कि पूरी एमएलएस लीग के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मेसी पिछले सीजन में एमएलएस के मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर बने थे और इस सीजन भी वह इस खिताब के प्रबल दावेदार हैं। अगर वह दोबारा जीतते हैं, तो वे लीग इतिहास में केवल दूसरे खिलाड़ी होंगे जिन्होंने यह अवार्ड दो बार जीता हो – और पहले खिलाड़ी जो लगातार दो साल इसे जीतेंगे। इंटर मियामी के कोच जावियर माशेरानो ने कहा, ÷मेसी को खेलते हुए देखना और उन्हें आनंद लेते देखना अद्भुत है। वह बहुत प्रतिस्पर्धी खिलाड़ी हैं और टीम को प्रेरित करते हैं। जब हम मैदान पर सही काम करते हैं, तो सफलता की संभावना खुद-ब-खुद बढ़ जाती है। मेसी ने इस सीजन में 29 गोल दागे, जो एलएएफसी के डेनिस बोआंगा और नैशविल के सैम सर्रिज से पांच अधिक हैं। उनके नाम 19 असिस्ट भी दर्ज हैं। उनकी कुल 48 गोल सहभागिताएं एमएलएस के रिकॉर्ड 49 (कार्लोस वेला, 2019) से बस एक कम रहीं। उन्होंने एक और रिकॉर्ड बनाया – लगातार पांच मैचों में एक से अधिक गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बने और 10 मैचों में मल्टी-गोल प्रदर्शन करने का नया लीग रिकॉर्ड भी बनाया।

38 वर्षीय मेसी के इस अनुबंध को उनके करियर का आखिरी पेशेवर अनुबंध माना जा रहा है। उन्होंने 2004 में बार्सिलोना के साथ 17 साल की उम्र में डेब्यू किया था। उन्होंने 2022 कतर विश्व कप में अर्जेंटीना को चैंपियन बनाया और उसके बाद पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) से अनुबंध समाप्त कर इंटर मियामी का रुख किया था। अब तक मेसी इंटर मियामी के लिए 82 मैचों में 71 गोल और 27 असिस्ट कर चुके हैं और क्लब को लीग्स कप और एमएलएस सपोर्टर्स शील्ड जिताने में अहम भूमिका निभाई है।

पंजाब किंग्स ने साईराज बहुतुले को नया स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया

चंडीगढ़, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर साईराज बहुतुले को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। उन्हें आईपीएल 2026 सीजन से पहले स्पिन गेंदबाजी कोच के रूप में शामिल किया गया है। बहुतुले, सुनील जोशी की जगह लेंगे, जिन्होंने 2023 से 2025 तक पीबीकेएस में यह पद संभाला था। अब वह बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में शामिल होंगे।नई जिम्मेदारी मिलने पर बहुतुले ने खुशी जताते हुए कहा, ÷मैं आगामी आईपीएल सीजन के लिए पंजाब किंग्स में स्पिन बॉलिंग कोच के रूप में शामिल होने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। यह एक अलग तरह का क्रिकेट खेलने वाली टीम है। मैं इसमें अपार संभावनाएं देख रहा हूं। इस टीम के पास कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। मैं उनके साथ मिलकर उनके कौशल को निखारने और उन्हें नई ऊंचाइयों तक पहुंचने में मदद करने के लिए उत्सुक हूं।÷ भारत के लिए दो टेस्ट और आठ वनडे खेलने वाले बहुतुले, पंजाब की टीम में अपार अनुभव लेकर आए हैं। वह केरल, गुजरात, विदर्भ और बंगाल जैसी घरेलू टीमों के साथ कोचिंग की भूमिकाएं निभा चुके हैं। वह राजस्थान रॉयल्स के साथ एक छोटा सा दूसरा कार्यकाल पूरा करने से पहले तीन साल तक सीईओ में स्पिन बॉलिंग कोच रहे हैं।

पीबीकेएस के सीईओ सतीश मेनन ने कहा, ÷साईराज की खेल की गहरी समझ, खासकर घरेलू गेंदबाजों को निखारने और रणनीति बनाने का उनका व्यापक अनुभव, हमारी टीम के लिए अमूल्य होगी। उनकी विशेषज्ञता आने वाले सीजन के लिए एक मजबूत और एकजुट गेंदबाजी इकाई बनाने के हमारे दृष्टिकोण के बिल्कुल अनुरूप है। बहुतुले पीबीकेएस के उस सहयोगी स्टाफ में शामिल हो गए हैं, जिसमें मुख्य कोच रिकी पोंटिंग, सहायक कोच ब्रैड हैडिन, तेज गेंदबाजी कोच जेम्स होप और ट्रेवर गोंसाल्वेस शामिल हैं। बहुतुले का पहला काम फ्रेंचाइजी के रिटेन किए जाने वाले खिलाड़ियों पर सुझाव देना होगा, जिसकी अस्थायी अंतिम तारीख 15 नवंबर है। इसके बाद वह इस साल दिसंबर के मध्य में होने वाली आईपीएल 2026 नीलामी की रणनीति तैयार करने में मदद करेंगे।

वियना ओपन 2025 : सिनर ने कोबोली को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

वियना, एजेंसी। शीर्ष वरीयता प्राप्त इतालवी खिलाड़ी जैनिक सिनर ने अपने ही हमवतन फ्लावियो को बोली को हराकर वियना ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। गुरुवार को खेले गए प्री-क्वार्टर मुकाबले में सिनर ने कोबोली को 6-2, 7-6(4) से मात दी। पहले सेट में सिनर ने दमदार प्रदर्शन करते हुए 6-2 से आसानी से जीत हासिल की, लेकिन दूसरे सेट में कोबोली ने कड़ा मुकाबला दिया। हालांकि टाई-ब्रेक में सिनर ने बेहतर खेल दिखाते हुए मुकाबला अपने नाम किया।

चार बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन सिनर इस टूर्नामेंट में तब लौटे हैं जब उन्होंने शंघाई मास्टर्स में थकान और ऐंठन के कारण तीसरे दौर का मैच बीच में छोड़ दिया था। सिनर ने पहले सेट में एक भी ब्रेक प्वॉइंट का सामना नहीं किया, लेकिन दूसरे सेट में मिले चार ब्रेक मौके का फायदा नहीं उठा पाए। मैच के बाद उन्होंने कहा, ÷फ्लावियो शानदार टैलेंट और बेहतरीन प्रतियोगी हैं। हमने कई बेहतरीन रैलियां खेलीं। दूसरे सेट में मुझे मौके मिले लेकिन मैं उन्हें भुना नहीं सका, यही टेनिस है। मैंने सकारात्मक मानसिकता बनाए रखी और आज के खेल से खुश हूं।÷ क्वार्टर फाइनल में अब सिनर का सामना आठवीं वरीयता प्राप्त कजाख खिलाड़ी एलेक्जेंडर बुब्लिक से होगा, जिन्होंने अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरुंडोलो को 6-4, 6-2 से हराया। वहीं, दूसरे वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव भी अंतिम आठ में पहुंच गए हैं, जहां उनका मुकाबला टालोन ग्रिकसपोर से होगा। इस बीच, फ्रांस के कोरेंटिन माउटे ने रूस के दानिल मेदवेदेव से पिछली हार का बदला चुकता किया। पिछले रविवार को अल्माटी फाइनल में मेदवेदेव ने माउटे को हराया था, लेकिन इस बार माउटे ने शानदार वापसी करते हुए 7-6(7/3), 6-4 से जीत दर्ज की।

लंकाशायर ने स्टीवन क्रॉफ्ट को मुख्य कोच नियुक्त किया

लंदन, एजेंसी। इंग्लिश काउंटी क्रिकेट क्लब लंकाशायर ने स्टीवन क्रॉफ्ट को अपना नया मुख्य कोच (हेड कोच) नियुक्त करने की घोषणा की है। क्रॉफ्ट पिछले कुछ महीनों से अंतरिम कोच की भूमिका निभा रहे थे और उनके सफल कार्यकाल के बाद अब उन्हें स्थायी रूप से यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। क्रॉफ्ट ने मई में डेल बेंकेनस्टीन के पद छोड़ने के बाद कोचिंग की जिम्मेदारी संभाली थी। सीज़न के पहले आधे हिस्से में लंकाशायर एक भी काउंटी चैम्पियनशिप मैच नहीं जीत पाया था, लेकिन टीम ने शानदार वापसी करते हुए डिवीजन-2 में पांचवां स्थान हासिल किया और साथ ही टी20 ब्लास्ट फाइनल्स डे तक का सफर तय किया। स्टीवन क्रॉफ्ट ने क्लब के हवाले से कहा, ÷इस महान क्लब का मुख्य कोच नियुक्त होना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। लैंकाशायर मेरे जीवन का बड़ा हिस्सा रहा है – एक खिलाड़ी के रूप में अकादमी से जुड़ने से लेकर टीम की कप्तानी करने तक और अब मैदान के बाहर यह नई भूमिका निभाने तक। उन्होंने आगे कहा, ÷मुझे गर्व है कि टीम ने पिछले सीज़न के दूसरे भाग में जिस तरह से प्रतिक्रिया दी। हमारे पास एक प्रतिभाशाली और जुनूनी दल है जो 'रेड रोज़' का गर्व से प्रतिनिधित्व करता है। अब मेरा लक्ष्य है कि उस प्रगति को आगे बढ़ाते हुए खिलाड़ियों के प्रदर्शन को निखारूं और क्लब को फिर से सफलता दिलाऊं। क्रॉफ्ट, जो 41 वर्ष के हैं, 2011 में लंकाशायर की काउंटी चैम्पियनशिप जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। उन्होंने 2023 में संन्यास लिया था, और क्लब के लिए 600 से अधिक मैच खेले थे। लंकाशायर के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट परफॉर्मेंस मार्क चिल्टन ने कहा, ÷हमें खुशी है कि स्टीवन ने स्थायी रूप से यह भूमिका स्वीकार की है। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में जिम्मेदारी संभालते हुए शानदार नेतृत्व क्षमता दिखाई। उनका जुनून, क्रिकेट ज्ञान उपयुक्त बनाती है।÷

इरफान पठान ने कोहली को दी संयम बरतने की सलाह, बोले- रन बनाने के लिए बेताब नहीं होना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज इरफान पठान का मानना है कि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा वनडे सीरीज में लगातार दो बार शून्य पर आउट होने के बावजूद हताशा नहीं दिखानी चाहिए। भारतीय टीम पहले ही तीन मैचों की सीरीज में 0-2 से पीछे चल रही है, लेकिन कोहली की फॉर्म चिंता का विषय बन गया है। कोहली ऑस्ट्रेलिया दौरे पर संघर्ष करते नजर आ रहे हैं। कोहली अब तक दो मैचों में खाता खोले बिना आउट हुए हैं। इस दिग्गज बल्लेबाज ने पर्थ में खेले गए पहले वनडे से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की थी, लेकिन वह शुरुआती दोनों मैच में विफल रहे।

करियर में पहली बार लगातार दो मैचों में खाता नहीं खोल सके कोहली : 2027 वनडे विश्व कप खेलने का लक्ष्य रखने वाले कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो मैचों में खाता खोले बिना आउट हुए हैं। यह पहली बार है जब कोहली अपने वनडे करियर में लगातार दो मैचों में शून्य पर आउट हुए हैं। कोहली का बल्ला एडिलेड में जमकर चलता है, लेकिन इस बार यहां भी वह बड़ी पारी नहीं खेल सके। कोहली टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं और भारत के लिए बस वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं। इसमें कोई दोराय नहीं है कि कोहली का लक्ष्य 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप में खेलना है।

इरफान बोले- बल्लेबाज का आनंद लेना होगा : इरफान ने कहा, दो मैच, दो बार शून्य पर आउट होना हमने ऐसा कम ही देखा है। ऐसा अक्सर नहीं होता। यह दबाव, सुस्ती या कुछ भी हो सकता है। ये सारी बातें सोशल मीडिया पर चल रही हैं और माहौल बनाया जा रहा है। हमें सावधान रहना होगा कि इन दोनों खिलाड़ियों पर इस माहौल का असर न पड़े। अगर प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा तो वे नहीं खेलेंगे। वह इससे कैसे उबर सकते हैं? वह जल्दी से एक रन लेकर स्ट्राइक से हटना चाहते हैं। जब आप दो बार शून्य पर आउट हों तो आप रन बनाना चाहते हैं। लेकिन उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि वह हताश न हों। हताश होने पर वह बल्लेबाजी का आनंद नहीं ले सकेंगे। उन्हें बल्लेबाजी का आनंद लेते रहना होगा। एक बार जब वह समय बिता लेंगे, तो रन आएंगे और वह पीछे मुड़कर नहीं देखेंगे। कोहली को वनडे क्रिकेट सबसे ज्यादा पसंद है। इरफान ने कहा, रोहित शर्मा और विराट कोहली ने कमाल का प्रदर्शन किया है। इसलिए, अगर वे संघर्ष कर रहे हैं तो उनके साथ बने रहना जरूरी है। यह मुश्किल है क्योंकि यशस्वी जायसवाल बेंच पर हैं। लेकिन अगर आपके सिर पर तलवार लटक रही हो, तो खेलना आसान नहीं होता। मुझे उम्मीद है कि इसका असर कोहली पर नहीं पड़ेगा।

फसल विविधीकरण एवं जैविक खेती का मार्गदर्शन मिला किसानों को किसान मेंला में

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत किसानों को ग्राटेड टमाटर पौधे किए वितरित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। जिला स्तरीय किसान मेले कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, पशुधन विकास विभाग एवं मत्स्य पालन विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं एवं नवीन तकनीकों की जानकारी हेतु स्टॉल लगाए गए, जिनका जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में किसानों ने अवलोकन किया। यह आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र अजिरम, अम्बिकापुर में आज किया गया। कृषि वैज्ञानिकों ने मेले में फसल विविधीकरण के महत्व पर चर्चा हुए बताया कि पारंपरिक धान की खेती की तुलना में गन्ना, सब्जी एवं उद्यानिकी फसलों से किसानों को अधिक लाभ प्राप्त हो सकता है। वैज्ञानिकों ने बताया कि जहां धान की खेती में एक रुपए की लागत पर लगभग 50 पैसे का लाभ मिलता है, वहीं गन्ने की खेती में एक रुपए की लागत पर 75 पैसे का लाभ प्राप्त होता है। वहीं शासन द्वारा संचालित किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी दी गई।

हितग्राहियों को सामग्री का वितरण: कार्यक्रम में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत 5 किसानों को टमाटर के ग्राफ्टेड पौधे, 5 किसानों को सरसों बीज मिनीकिट, 5 किसानों को स्वॉयल हेल्थ कार्ड एवं बीमा पॉलिसी प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। मत्स्य पालन विभाग द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत 7 लाभार्थियों को आईस बॉक्स एवं मछली पकड़ने के जाल का वितरण किया गया। साथ ही जनप्रतिनिधियों ने ए हेल्प पुस्तक का विमोचन किया।

जैविक खेती को बढ़ावा देने किसानों से आग्रह: पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किसानों के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि की राशि अब सीधे ग्राम पंचायत स्तर पर उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे किसानों को बैंक के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्होंने जैविक खेती को बढ़ावा देने, रासायनिक खादों के अत्यधिक प्रयोग से बचने और मृदा की पोषकता बनाए रखने पर किसानों से आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पशुधन विकास विभाग के माध्यम से कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम को गति दी जा रही है, जिससे 90 प्रतिशत बछिया प्राप्त होने की संभावना बढ़ी है। उन्होंने मत्स्य पालन विभाग की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए भी किसानों को प्रेरित किया गया।

किसान मेला नवाचार एवं तकनीकी ज्ञान का मंच: सांसद सरगुजा श्री चिंतामणि महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने रासायनिक खादों पर निर्भरता कम करने और जैविक खेती अपनाने का आग्रह किया। लूण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज ने कहा कि किसान मेला किसानों के लिए नवाचार एवं तकनीकी ज्ञान का मंच है। यहां विभिन्न विभागों द्वारा अपनी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है, जिससे किसानों को खेती-बाड़ी में आधुनिक तकनीक अपनाकर पैदावार बढाने का अवसर मिलेगा।

किसानों से बैंक संबंधी सतर्कता बरतने की अपील: कलेक्टर ने किसानों से कहा कि आगामी 15 नवम्बर से धान खरीदी प्रारंभ होने जा रही है। इस अवसर पर उन्होंने किसानों से बैंक संबंधी सतर्कता बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसान अपनी मेहनत की कमाई पसीना बहाकर अर्जित करते हैं, लेकिन कई बार बैंक धोखाधड़ी के मामलों में उनकी गाढ़ी कमाई चली जाती है। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि वे अपने बैंक पासबुक का स्टेटमेंट हर 15 से 30 दिनों में अवश्य जांचें, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता या संदेहास्पद लेन-देन का तुरंत पता चल सके। उन्होंने ने कहा कि धोखाधडी का शिकार होने के बाद अपराधी भले ही जेल चला जाए, लेकिन किसान की मेहनत की कमाई वापस नहीं मिल पाती, इसलिए जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है। उन्होंने बताया कि सभी बैंक प्रबंधकों को इस संबंध में निर्देशित किया गया है कि यदि किसी किसान को बैंक लेन-देन में समस्या होती है या किसी प्रकार की धोखाधड़ी की आशंका होती है, तो तत्काल प्रशासन को सूचित करें ताकि शीघ्र कार्रवाई की जा सके।

महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। महिला सशक्तिकरण, स्वच्छ ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण परिवारों के स्वास्थ्य संरक्षण के उद्देश्य से प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। केंद्र सरकार द्वारा योजना के अंतर्गत 25 लाख अतिरिक्त एलपीजी गैस कनेक्शन जारी करने की मंजूरी दी गई है। इसके तहत छत्तीसगढ़ के ÷नियद नेल्लानार योजना÷ में शामिल ग्रामों के बीपीएल परिवारों को प्राथमिकता से लाभ प्रदान किया जाएगा। खाद्य सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले ने तेल विपणन कंपनियों के अधिकारियों की बैठक लेकर योजना के पारदर्शी, त्वरित और प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि सुशासन तिहार और नियद नेल्लानार योजना के तहत पात्र 1.59 लाख माताओं-बहनों को उज्ज्वला कनेक्शन उपलब्ध कराया जाएगा। सुकमा कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव ने संबंधित अधिकारियों को चिन्हांकित ग्रामों में विशेष शिविर आयोजित कर आवेदन प्राप्त करने, लाभार्थियों का सत्यापन करने तथा गैस सुरक्षा संबंधी जानकारी देने के निर्देश दिए हैं। स्वच्छ रसोई ईंधन की उपलब्धता से महिलाओं को धूम्ररहित रसोई, समय की बचत, स्वास्थ्य सुरक्षा, सुविधा और सम्मानपूर्ण जीवन की दिशा में नई मजबूती प्राप्त होगी।

'उम्मीद' एवं 'मनोदर्पण' आधारित मानसिक स्वास्थ्य नीति होगी लागू

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। विद्यार्थियों में बढ़ते मानसिक तनाव एवं आत्महत्या की घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा राज्य के सभी शैक्षणिक संस्थानों के लिए मानसिक स्वास्थ्य संबंधी निर्देश जारी किए गए हैं। यह पहल सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में की गई है। स्कूल शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, प्रशिक्षण केन्द्रों एवं छात्रावासों में 'उम्मीद' एवं 'मनोदर्पण' से प्रेरित मानसिक स्वास्थ्य नीति को अनिवार्य रूप से लागू किया जाएगा। सुकमा जिला कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव ने कहा कि विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच, भावनात्मक संतुलन और आत्मविश्वास विकसित करने की दिशा में यह नीति महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था के तहत 100 या अधिक विद्यार्थियों वाले संस्थानों में प्रशिक्षित परामर्शदाता अथवा मनोवैज्ञानिक की नियुक्ति अनिवार्य होगी, वहीं इससे कम संख्या वाले संस्थान आवश्यकता अनुसार पंजीकृत मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का सहयोग प्राप्त किया जाएगा। कलेक्टर ने यह भी कहा कि शासन की यह पहल विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के संरक्षण, आत्महत्या जैसी घटनाओं की रोकथाम तथा संवेदनशील एवं सहयोगी शैक्षणिक वातावरण निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सार्थक कदम सिद्ध होगी।

अवैध धान परिवहन व बिचौलिए पर रहेगी प्रशासन की पैनी नजर

बलौदाबाजार, एजेंसी। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान एवं मक्का खरीदी की तैयारी जिला प्रशासन द्वारा युद्ध स्तर पर शुरू कर दी गई है। इसी कड़ी में गुरुवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में नोडल अधिकारियों को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। कलेक्टर दीपक सोनी ने नोडल अधिकारियो के कार्यों और दायित्वों की जानकारी देते हुए अवैध धान परिवहन एवं बिचौलिए पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी में नोडल अधिकारियों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी रहेगी। किसी भी समिति में अवैध धान खपाने का प्रयास करने वाले बिचौलिए एवं अवैध धान परिवहन करते पाए जाने पर तत्काल इसकी सूचना तहसीलदार एवं समिति प्रबंधक को देना है। अपने-अपने कार्य क्षेत्र समिति अंतर्गत आने वाले गांव के संदिग्ध व्यक्ति एवं बिचौलिओं की सूची तैयार कर लें। धान खरीदी के समय क़ानून व्यवस्था बनाए रखने में भी आवश्यक समन्वय करना होगा। उन्होंने कहा कि जिले में लगभग 12 स्थानों पर जांच नाका स्थापित हैं जिन्हे शीघ्र सक्रिय करें और वहां कर्मचारियों की नये सिरे से ड्यूटी लगवाएं। जांच नाका में पंजी संधारित कर प्रतिदिन की कार्यवाही की रिपोर्ट देनी होगी। धान खरीदी के लिए बरदाने गुणवत्तापूर्ण होने चाहिए तथा स्टैकिंग भी उपयुक्त तरीके से कराना है। उन्होंने धान खरीदी के लिए जिला कंट्रोल रूम हेतु संपर्क केन्द्र को सक्रिय करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि इस बार धान खरीदी एग्रीस्टेक पंजीयन, डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं फिजिकल वेरिफिकेशन के आधार पर होगा। अब तक लगभग 1लाख 55 हजार किसानों का पंजीयन हुआ हैं एवं करीब 2372 किसानों का एग्रीस्टेक में पंजीयन शेष हैं। इन छूटे हुए किसानों का पंजीयन अगले दो दिन में पूरा कराने सभी भरसक प्रयास करें। पंजीयन के लिए छूटे हुए किसानों की सूची समितिवार तैयार किया गया हैं। इस सूची को सभी समिति प्रबंधकों, एसडीएम, तहसीलदार, पटवारी, सचिव एवं सरपंच को उपलब्ध कराएं ताकि जल्द पंजीयन पूर्ण हो सके। उन्होंने ग्रामसभा के दौरान ग्रामीणों से प्राप्त दावा आपत्ति का निराकरण करते समय पहले फिजिकल वेरिफिकेशन एप्प से सत्यापन एवं ऑनलाइन एंट्री के बाद निराकरण की सूची ग्राम पंचायत के सार्वजनिक स्थल पर चस्पा करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर जिला खाद्य अधिकारी पुनीत वर्मा, उप पंजीयक सहकारिता उमेश गुप्ता सहित जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के नोडल अधिकारी, जिला विपणन अधिकारी एवं नोडल अधिकारी उपस्थित थे।

ग्राम जड़कोंगा में पशु मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन

कोंडागांव, एजेंसी। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव अंतर्गत माकड़ी विकाखण्ड के ग्राम पंचायत उड़ेगा के आश्रित ग्राम जड़कोंगा में बुधवार को पशुधन विकास विभाग के तत्वावधान में पशु मेला एवं प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत जनप्रतिनिधियों द्वारा गोवर्धन पूजा के साथ की गई, जिसमें गौवंश को खिचड़ी खिलाया गया तथा पारंपरिक राउत नाचा प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती जुगबती पोयाम, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती भगवती नेताम, जनपद सदस्य श्री पन्ना लाल नेताम, श्रीमती अनीता नेताम, श्री कृष्ण पोयाम तथा श्री अन्त जैन की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मेला एवं प्रदर्शनी में क्षेत्र के पशुपालकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विभाग की ओर से पशुओं की निःशुल्क जांच, टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान तथा पोषण एवं देखभाल संबंधी जानकारी प्रदान की गई। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अंचलों में पशुपालन को प्रोत्साहित करना तथा पशुपालकों को नवीन तकनीकी जानकारी एवं व्यवसायिक मार्गदर्शन प्रदान करना रहा। कार्यक्रम के दौरान पशुपालन के महत्व पर भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का संचालन विभागीय अधिकारियों द्वारा किया गया तथा समापन अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने विभाग के कार्यों की सराहना करते हुए ग्रामीणों को पशुधन संवर्धन एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर होने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत उड़ेगा के सरपंच श्री सोनाराम सोरी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं पशुपालक सम्मिलित हुए।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से पंजाब सरकार के मंत्रियों ने की सौजन्य मुलाकात

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से पंजाब सरकार के मंत्रियों ने की सौजन्य मुलाकात मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज उनके निवास कार्यालय में पंजाब सरकार के राजस्व, पुनर्वास एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री हरदीप सिंह मुण्डियन और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने सौजन्य मुलाकात की।

मुलाकात के दौरान दोनों मंत्रियों ने मुख्यमंत्री श्री साय को 9वें सिख गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने बताया कि यह आयोजन गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान, त्याग और मानवता के प्रति उनके संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस आयोजन में देशभर से श्रद्धालुओं, संत महात्माओं और विभिन्न राज्यों के गणमान्य नागरिकों के सम्मिलित होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने पंजाब सरकार के मंत्रियों द्वारा दिए गए आमंत्रण के लिए हार्दिक धन्यवाद प्रकट किया। मुलाकात के दौरान दोनों राज्यों के बीच आपसी सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को लेकर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी ने अपने जीवन में धर्म, मानवता और समानता के जो आदर्श स्थापित किए, वे आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने पंजाब सरकार के इस आयोजन की सराहना करते हुए इसके सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान न केवल सिख समाज के लिए बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए अमर संदेश है, जिसने हमें सत्य और धर्म की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने की प्रेरणा दी है।

स्वास्थ्य सेवाओं में मनेंद्रगढ़ अस्पताल की उल्लेखनीय उपलब्धि, तीन माह में 1827 मरीजों को मिला उपचार मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में सर्वाधिक सफलता

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। स्वास्थ्य मंत्री एवं स्थानीय विधायक श्री श्याम बिहारी जायसवाल के निरंतर प्रयासों से मनेंद्रगढ़ सिविल अस्पताल ने जुलाई से सितंबर 2025 की अवधि में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। अस्पताल की त्रैमासिक रिपोर्ट के अनुसार इस अवधि में कुल 1827 मरीजों को उपचार एवं देखभाल की सुविधा प्रदान की गई। यह उपलब्धि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के सतत सुदृढ़ीकरण और आमजन में बढ़ते भरोसे को दर्शाती है। अस्पताल में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित मामलों की संख्या सबसे अधिक रही। इस अवधि में 596 गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच (हृष्ट और 375 प्रसवोत्तर माताओं की देखभाल की गई। यह आंकड़ा दर्शाता है कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जनजागरूकता लगातार बढ़ रही है। सामान्य बीमारियों के साथ-साथ आपातकालीन स्थितियों में भी अस्पताल की चिकित्सा टीम ने त्वरित और प्रभावी सेवाएँ प्रदान कीं। एनीमिया के 150 के बुखार के 201 सड़क दुर्घटना के 40, सर्पदंश के 53, भालू के हमले के 5, विषाक्तता के 9 तथा जलने के 6 मरीजों का सफलतापूर्वक उपचार किया गया। इसके अलावा सिजेरियन ऑपरेशन 80 भी सफलतापूर्वक संपन्न हुए। अस्पताल प्रशासन के अनुसार अब रेफर किए जाने वाले मरीजों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है, जो स्थानीय स्तर पर बेहतर चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता का सकारात्मक संकेत है। यह सफलता अस्पताल के डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और स्वास्थ्यकर्मियों की टीम भावना, समर्पण और जनसेवा के प्रति निष्ठा का परिणाम है। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि आने वाले महीनों में मरीजों की सुविधा के लिए नई चिकित्सा सेवाएँ और आधुनिक उपकरण जोड़े जाएंगे, जिससे क्षेत्र के नागरिकों को और बेहतर उपचार उपलब्ध कराया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दिवंगत चन्दन बाई जी को दी श्रद्धांजलि

शोक संतप्त परिवार से मिलकर व्यक्त की संवेदना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज विधायक एवं मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री प्रणव कुमार मरपच्ची की माताजी स्वर्गीय श्रीमती चन्दन बाई जी की तेरहवीं एवं श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने श्रद्धांजलि सभा में दिवंगत आत्मा को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर श्री मरपच्ची सहित शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से मिलकर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से प्रार्थना की कि वे स्वर्गीय चन्दन बाई जी की आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और परिवार को यह अपार दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें।

छत्तीसगढ़ आइडियाथॉन-2025 का हुआ शुभारंभ, 29 अक्टूबर तक कर सकेंगे आवेदन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। रजत जयंती वर्ष-2025 के उपलक्ष्य में उद्योग विभाग के अंतर्गत स्टार्टअप छत्तीसगढ़ द्वारा नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने हेतु छत्तीसगढ़ आइडियाथॉन-2025 स्टार्टअप पिचेस एवं अवॉर्ड्स इवेंट का शुभारंभ किया गया है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के महाविद्यालयों, आईटीआई, लाइवलीहुड कॉलेजों, संकाय सदस्यों, नवाचार क्लबों, अनुसंधान एवं विकास केन्द्रों, संस्थागत इनक्यूबेटरों तथा स्किल सेंटरों के विद्यार्थियों और नवप्रवर्तकों को एक सशक्त प्लेटफॉर्म प्रदान करना है, ताकि वे अपने अभिनव विचारों को वास्तविक स्वरूप दे सकें। राज्यव्यापी स्तर पर आयोजित होने वाले इस छत्तीसगढ़ आइडियाथॉन-2025 में कुल 10 संभावनाशील विचारों और 10 अभिनव स्टार्टअप्स का चयन किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने वन एवं पर्यावरण मंत्री केदार कश्यप और वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के साथ राज्योत्सव व प्रधानमंत्री के नवा रायपुर प्रवास की तैयारियों की समीक्षा की

अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री केदार कश्यप और वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के साथ राज्योत्सव व प्रधानमंत्री के नवा रायपुर प्रवास की तैयारियों की समीक्षा की उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री केदार कश्यप और वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के साथ राज्योत्सव व प्रधानमंत्री के नवा रायपुर प्रवास की तैयारियों की समीक्षा की

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री केदार कश्यप तथा वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के साथ राज्योत्सव तथा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नवा रायपुर प्रवास की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने राज्योत्सव की तैयारियों में जुटे अधिकारियों के साथ विभिन्न व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने अधिकारियों को संपूर्ण आयोजन में किसी भी तरह की कोताही न बरतते हुए पूरी क्षमता और योग्यता से समय पूर्व सभी तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की स्थापना के रजत जयंती वर्ष में राज्योत्सव पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आगमन को ऐतिहासिक और यादगार बनाना है। इसके लिए तैयारियों में कोई कोर-कसर न छोड़ें। प्रधानमंत्री के प्रवास के दौरान सभी कार्यक्रमों के भव्य और सुव्यवस्थित आयोजन के लिए तेजी से कार्य करते हुए सभी व्यवस्थाओं को मूर्त रूप दें। उप मुख्यमंत्री श्री साव तथा मंत्रीद्वय श्री केदार कश्यप और श्री ओ.पी. चौधरी ने राज्योत्सव के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं के प्रभारी अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यक्रम स्थल पर सेक्टर्स की स्थिति, बैठक क्षमता, परिक्रमा पथ के लोकेशन एवं सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। बैठक में पुलिस बल की तैनाती, पार्किंग व्यवस्था व पेयजल व्यवस्था के साथ ही वीवीआईपी सेक्टर की क्षमता, सुव्यवस्थित पहुंच मार्ग तथा सभी कार्यक्रमों के व्यवस्थित आयोजन की रुपरेखा पर भी विस्तार से चर्चा हुई। आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव श्री अंकित आनंद, रायपुर के कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, संस्कृति विभाग के संचालक श्री विवेक आचार्य, रायपुर नगर निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप और लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता श्री वी.के. भतपहरी भी समीक्षा बैठक में मौजूद थे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा